राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार 28 सितम्बर 2023 वर्ष-6,अंक-248 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संसद में ठाकुर पर मनोज झा की कविता से RJD में बवाल, आनंद मोहन के बेटे चेतन ने कहा- ये दोगपालपन है

पटना। आरजेडी सांसद मनोज झा के राज्यसभा में ठाकुर पर ओमप्रकाश वाल्मीकि की कविता सुनाने पर अब आरजेडी में बवाल मच गया है। आनंद मोहन के विधायक बेटे चेतन आनंद ने पहले फेसबुक पोस्ट लिखकर और अभी सुबह-सुबह फेसबुक लाइव पर आकर मनोज झा द्वारा राजपूत समाज के अपमान को समाजवाद के नाम पर दोगलापन करार दिया है। चेतन आनंद ने मंगलवार को फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर कहा था कि ठाकुर समाज इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। चेतन के पोस्ट के बाद रात में राष्ट्रीय जनता दल के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से मनोज झा के उस भाषण का वीडियो जोरदार, दमदार और शानदार लिखकर पोस्ट कर दिया गया। इसके बाद बुधवार की सुबह चेतन ने फेसबुक लाइव पर आकर कहा कि तेजस्वी यादव के समाजवाद का फॉर्मूला ए टू जेड को साथ लेकर चलने का है जिसे कुछ नेता कमजोर कर रहे हैं। राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के मुद्दे पर आरजेडी सांसद मनोज झा ने भाषण दिया। इसमें उन्होंने ओमप्रकाश वाल्मीकि की ठाकुरों पर लिखी गई प्रसिद्ध कविता पढ़ी। हालांकि, उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया कि यह कविता किसी जाति विशेष के लिए नहीं है। बल्कि व्यवस्था के खिलाफ है। हम सभी के अंदर एक ठाकुर है, उसे मारना है। सांसद मनोज झा के इस भाषण पर अब आरजेडी के अंदर बवाल मच गया है। पूर्व सांसद आनंद मोहन के बेटे एवं आरजेडी विधायक चेतन आनंद ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मनोज झा पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम ठाकुर हैं, सबको साथ लेकर चलते हैं। इतिहास में सबसे अधिक बलिदान हमारा है। समाजवाद में किसी एक जाती को टार्गेट करना समाजवाद के नाम पर दोगलापन के अलावा कुछ नहीं है। जब हम दूसरों के बारे में गलत नहीं सुन सकते तो अपने (ठाकुरों) पर अभद्र टिप्पणी बिल्कुल नहीं बर्दाश्त करेंगे। इसके बाद चेतन आनंद बुधवार सुबह फेसबुक पर लाइव आए और फिर से उन्होंने अपनी ही पार्टी के सांसद पर निशाना साधा। चेतन ने साढ़े दस मिनट के लाइव पोस्ट में कहा कि मनोज झा खुद को समाजवाद के सिपाही समझते हैं। पहले वे खुद बोलते हैं कि वे जात-पात पर नहीं जा रहे हैं।

भाजपा ने बदली रणनीतिः

अब चुनावी राज्यों में सीएम चेहरा नहीं करेगी पेश, सामूहिक नेतृत्व पर दांव की तैयारी

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव के फाइनल से पहले का सेमीफाइनल मुकाबला माने जा रहे विधानसभा चुनाव में भाजपा किसी राज्य में मुख्यमंत्री पद का चेहरा पेश नहीं करेगी। मध्यप्रदेश में इस आशय का संकेत देने के बाद पार्टी ने दूसरे चुनावी राज्यों छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में भी सामूहिक नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया है। इन सभी राज्यों में इसी साल चुनाव होने हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि साल 2014 में भाजपा में मोदी युग की शुरुआत के बाद विधानसभा चुनाव में पार्टी को सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने पर ही अधिक सफलता मिली है। इस रणनीति के आधार पर पार्टी प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे

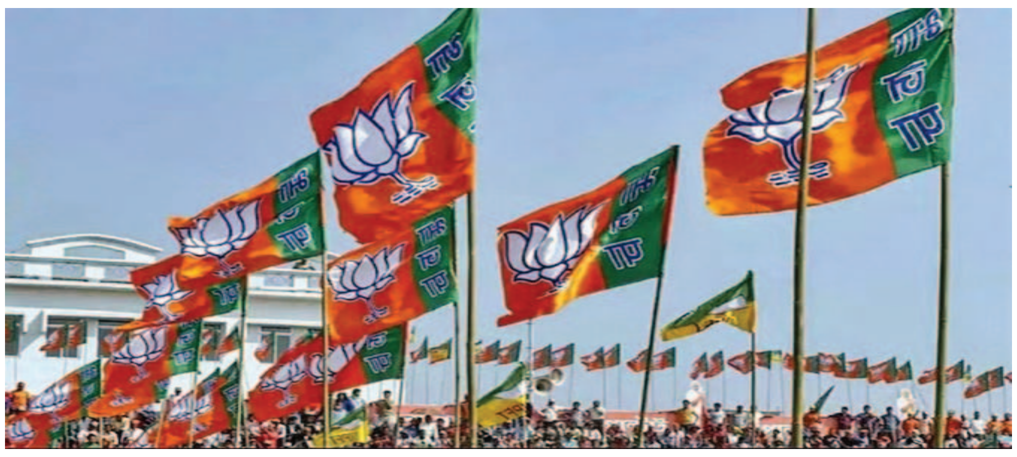

- **आगामी लोकसभा चुनाव के फाइनल से पहले का सेमीफाइनल मुकाबला माने जा रहे विधानसभा चुनाव में भाजपा किसी राज्य में मुख्यमंत्री पद का चेहरा पेश नहीं करेगी।**

और करिश्मे का बेहतर इस्तेमाल कर पाई है। यही कारण है कि पार्टी ने सभी चुनावी राज्यों में किसी एक स्थानीय चेहरे पर भरोसा नहीं करने का फैसला किया है। सामूहिक नेतृत्व इसलिए...पार्टी सूत्रों का कहना है कि चुनावी राज्य में पार्टी के पास अलग-अलग राज्यों में ऐसे इकलौते चेहरे की कमी है, जिसके जरिए चुनाव जीता जा सके। चेहरा पेश करने के कारण गुटबाजी शुरू होने का खतरा अलग से है। फिर स्थानीय चेहरे को आगे करने के कारण पार्टी को विधानसभा चुनावों में ज्यादातर राज्यों में मत प्रतिशत और परिणाम के हिसाब से नुकसान ही उठाना पड़ा है।

यूपी से शुरू हुआ सिलसिला-पार्टी के रणनीतिकारों का कहना है कि साल 2017 में उत्तर प्रदेश में पार्टी को सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने का लाभ मिला। 2014 के तत्काल बाद पार्टी हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र में भी पार्टी ने सीएम उम्मीदवार घोषित किए बिना जीत हासिल की। इसके बाद पार्टी ने पहली बार असम में सर्वानंद सोनोवाल के सीएम रहते सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ा। त्रिपुरा में भी यही स्थिति थी। पार्टी को इसका लाभ भी मिला।

दो छात्रों की मौत के बाद मणिपुर में बवाल, लाठीचार्ज में 45 स्टूडेंट घायल, इंटरनेट सेवा बंद

इंफाल। मणिपुर में अभी भी हिंसा की छिटपुट घटनाएं हो रही हैं। राजधानी इंफाल के सिंगजामेई इलाके में मंगलवार रात छात्रों और रैपिड एक्शन फोर्स कर्मियों के बीच झड़प हो गई, जिसमें 45 प्रदर्शनकारी घायल हो गए। इसके बाद बुधवार (27 सितंबर) सुबह इलाके में स्थिति शांत लेकिन तनावपूर्ण रही। ताजा हिंसा के बाद इंफाल घाटी में बड़ी संख्या में मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ और आरएएफ के जवानों को तैनात किया गया है। दरअसल, 6 जुलाई से लापता दो छात्रों की हत्या का विरोध कर रहे छात्र और स्थानीय लोगों से आरएएफ जवानों की मंगलवार रात झड़प हो गई। इसके बाद आरएएफ ने प्रदर्नकारियों के ऊपर आंसू गैस के गोले, रबर की गोलियां और लाठीचार्ज किया, जिसमें 45 छात्र घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों में अधिकतर छात्र हैं।

छुट्टी के बावजूद विरोध-प्रदर्शन पर अड़े छात्र

हिंसा को देखते हुए मणिपुर सरकार ने बुधवार को स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। मगर, इंफाल में कुछ संस्थानों के छात्रों ने अपने स्कूलों में इकट्ठा होने की बात कही है, जिसको देखते हुए बुधवार को विरोध-प्रदर्शन के तेज होने की आशंका है।

अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी-एक अधिकारी ने कहा, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सिंगजामेई में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है, हालांकि इलाके में दुकानें खुली रहीं और सड़कों पर वाहनों की आवाजाही जारी रही। आधिकारिक अधिसूचना में कहा कि राज्य सरकार ने आम जनता को दवाओं और भोजन सहित जरूरी सामानों की खरीद करने के लिए बुधवार को इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिले में सुबह 5 बजे से रात 9 बजे तक कर्फ्यू प्रतिबंधों में ढील दी।

हिंसा को देखते हुए मणिपुर में 2 दिन की छुट्टी

मणिपुर सरकार के अधिसूचना में कहा गया है, झड़पों के बाद, राज्य सरकार ने गलत सूचना और अफवाहों के प्रसार को रोकने के लिए 1 अक्टूबर की शाम 7.45 बजे तक तत्काल प्रभाव से इंटरनेट मोबाइल सेवाओं पर बैन लगा दिया है। इसके अलावा सरकार ने राज्य में मौजूदा कानून-व्यवस्था को देखते हुए 27 और 29 सितंबर को स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की है। मणिपुर में 28 सितंबर को मिलाद उन-नबी के मद्देनजर सार्वजनिक अवकाश है। बता दें कि मणिपुर में 3 मई को जातीय झड़पें शुरू हो गई थीं, जिसमें अबतक 175 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। हिंसा बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित करने के बाद भड़की थी।

राम मंदिर के उद्घाटन में हर जाति के नेता और संत रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली। अयोध्या में भव्य राम मंदिर पर तेजी से काम चल रहा है। गर्भ गृह तैयार हो चुका है और अब प्राण प्रतिष्ठा का इंतजार है। राम लला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा जनवरी 2024 में होने वाली है, जिसमें 4 महीने से भी कम का वक्त बचा है। ऐसे में तैयारियों जोरों पर हैं और गेस्ट लिस्ट भी तैयार हो रही है। सूत्रों का कहना है कि इस समारोह को खास बनाने का प्रयास किया जा रहा है और इसके तहत सभी जातियों के संतों और नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा। आयोजन के लिए गेस्ट लिस्ट तैयार होने लगी है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े लोग यह लिस्ट तैयार कर रहे हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं भी अतिथियों की सूची में रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2020 में राम मंदिर का शिलान्यास किया था। इस बार भी वह मुख्य

अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। उनके अलावा 6 से 8 हजार मेहमान और भी होंगे। ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी चंपत राय ने कहा, हमारी कोशिश है कि हिंदू समाज से जुड़ी सभी परंपराओं के संतों को बुला जाए। इसके अलावा सभी बिरादरियों के लोगों की इसमें सहभागिता रहे। उन्होंने कहा कि मेहमानों की सूची अलग-अलग लोग तैयार कर रहे हैं। अनुमान है कि इस आयोजन में करीब 8000 लोग शामिल हो सकते हैं। अभी राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख तय नहीं है, लेकिन 15 से 24 जनवरी के दौरान किसी भी दिन यह आयोजन हो सकता है। चंपत राय ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी से टाइम लेने के बाद ही तारीख तय की जाएगी। केंद्र सरकार की पहल पर ही राम मंदिर ट्रस्ट का गठन किया गया था, जो निर्माण का काम देख रहा है। खबर है कि मकर संक्रांति के बाद 10 दिन का आयोजन होगा, जिसमें प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस बीच कमेटी के चेयरपर्सन नृपेंद्र मिश्र का कहना है कि यह आयोजन 22 जनवरी को हो सकता है। लेकिन अभी पीएमओ की ओर से तारीख तय होना बाकी है। उसके बाद ही फैसला लिया जाएगा।

राम मंदिर के आसपास भी कई प्रोजेक्ट्स पर काम, UP सरकार भी जुटी

चंपत राय का कहना है कि तीन प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके लिए तीन पत्थरों का चयन किया गया है। इन्हें नेपाल, राजस्थान और कर्नाटक से लाया गया है। अयोध्या में राम मंदिर के आसपास भी काम तेजी पर चल रहा है और कई दर्शनीय स्थल तैयार किए जा रहे हैं। इनकी निगरानी यूपी सरकार भी कर रही है और कुल 263 प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। इन पर 30,923 करोड़ रुपये की लागत लगी है।

भाजपा का कोटा में मातृशक्ति संगम 17 अक्टूबर को

कोटा। राजस्थान के कोटा उत्तर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी का मातृशक्ति संगम 17 अक्टूबर को आयोजित होगा जिसमें बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता शामिल होंगी।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजन ने आज बताया कि इस संगम के माध्यम से राजस्थान की महिला विरोधी सरकार को सबक सिखाने की शुरुआत कोटा उत्तर से होगी। राज्य सरकार ने राजस्थान को बलात्कार के मामलों में नंबर एक पर ला दिया इसमें सुधार लाने एवं महिला सुरक्षा की बात करने के बजाय आए दिन सरकार के मंत्री महिला अत्याचार पर अभद्र बयान देते रहते हैं।

श्री गुंजल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से 20 सालों से अटका महिला आरक्षण बिल संसद में पारित हो गया है जिसमें विधानसभा एवं लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया।

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा- चुनाव लड़ने का 1 पर्सेंट मूड नहीं; पर सीएम वाली बात पर हो गए खुश

इंदौर। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में इंदौर-1 सीट से उतारे गए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने एक बार फिर कहा है कि वह चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी एक पर्सेंट इच्छा भी चुनाव लड़ने की नहीं है। वह तो सिर्फ पार्टी के लिए रैलियां करना चाहते थे। हर दिन 8 रैलियां करने का प्लान बना लिया था। हालांकि, इस दौरान जब उनके एक समर्थक ने कहा कि वह सीएम बन जाएंगे तो कैलाश मुस्कुराहट नहीं रोक सके और बात टालने के लिए भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। कैलाश विजयवर्गीय ने मंगलवार को इंदौर में चुनाव प्रचार का आगाज भी कर दिया। गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा चुनाव लड़ने की नहीं थी, लेकिन ईश्वर की इच्छा के मुताबिक ऐसा कर रहे हैं। कैलाश ने कहा, इस दौरान उन्होंने कहा, मेरी लड़ने की इच्छा नहीं, एक पर्सेंट भी इच्छा नहीं थी। एक माइंडसेट होता है ना लड़ने का। अपने को तो, बड़े नेता हो गए अब (हंसते हुए) तो हाथ जोड़ना। भाषण देना और निकल जाना, भाषण देना और निकल जाना यह सोचा था हमने तो। हमने तो प्लान बनाया था कि रोज 8 सभा करनी है, 5 हेलिकॉप्टर से और तीन कार से।

विजयवर्गीय ने आगे कहा, पूरा प्लान बना लिया था, लेकिन आप जो सोचते हैं वह होता कहां है, भगवान की जो इच्छा होती है वही होता है। भगवान की ऐसी इच्छा थी कि मैं चुनाव लड़ूं, फिर जनता के बीच में जाऊं। ईश्वर की इच्छा थी मैं फिर उम्मीदवार हूं। मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं उम्मीदवार हूं। सच कह रहा हूं, मुझे लग ही नहीं रहा कि मुझे टिकट मिल गया और मैं उम्मीदवार बन गया।

जब सीएम की बात पर हुए खुश

विजयवर्गीय ने ईश्वर की इच्छा के मुताबिक उम्मीदवार बन जाने की बात कही तो पास में खड़े उनके किसी समर्थक ने कहा कि सीएम भी बन जाओगे आप। यह सुनकर कैलाश विजयवर्गीय एक पल को ठहरे, मुस्कुराए और फिर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे।

खालिस्तानियों के खिलाफ एनआईए की बड़ी कार्रवाई, देशभर में 51 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकवादी और गैंगस्टर के गठजोड़ के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को सुबह-सुबह पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर छापेमारी की है। मिल रही जानकारी के मुताबिक, 51 ठिकानों पर जांच एजेंसी की छापेमारी चल रही है। आपको बता दें कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के संबंध तनावपूर्ण हो चुके हैं। इस बीच एनआईए ने यह कार्रवाई की है। सबसे ज्यादा पंजाब में 31 जगहों पर छापेमारी चल रही है। इसके अलावा, राजस्थान में 13, हरियाणा में 4, उत्तराखंड में 2, दिल्ली-एनसीआर और यूपी में 1-1 जगह छापेमारी चल रही है।

पंजाब में हिंदूओं-ईसाईयों की हत्या के पीछे निज्जर का हाथ-सूत्रों की मानें तो 2016 के बाद पंजाब में सिखों, हिंदुओं और ईसाइयों को लक्ष्य बनाकर की गई कई हत्याएं खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की करतूत थीं, जिसकी हत्या से भारत और कनाडा के बीच विवाद पैदा हो गया है। कनाडाई एजेंसियों ने निज्जर और उनके मित्रों भगत सिंह बराड़, पैरी दुलाई, अर्श डल्ला, लखबीर लांडा और कई अन्य लोगों के खिलाफ कथित तौर पर कभी कोई जांच शुरू नहीं की। पंजाब में लाशों का ढेर लगने के बावजूद वे राजनीतिक कार्यकर्ता बने हुए हैं।

कनाडा से चल रहा नशे का कारोबार

उन्होंने कहा कि पंजाब आज कनाडा से चलाए जा रहे जबरन वसूली गिरोहों के कारण भारी नुकसान झेल रहा है और उत्तर अमेरिकी देश में स्थित गैंगस्टर ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से नशीले पदार्थ लाते हैं और उन्हें पूरे पंजाब में बेचते हैं। उन्होंने कहा कि इस धन का एक हिस्सा कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों को जाता है। कनाडा में भी कई खालिस्तानी समर्थक चरमपंथी नशीले पदार्थों के कारोबार का हिस्सा हैं और पंजाब के विभिन्न गैंगस्टर के गिरोहों के बीच प्रतिद्वंद्विता अब कनाडा में आम है। भारत समर्थक सिख नेता रिपुदमन सिंह मलिक की 2022 में कनाडा के सरे में हत्या कर दी गई थी और कई लोगों का कहना है कि इस हत्या के पीछे निज्जर का हाथ था, लेकिन कनाडाई एजेंसियों ने दोषियों को ढूंढने और वास्तविक साजिश का पर्दाफाश करने में कथित तौर पर कोई तत्परता नहीं दिखाई। इस मामले में केवल ऐसे दो स्थानीय लोगों को आरोपी बनाया गया, जो भारतीय मूल के नहीं थे।

खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों को बढ़ावा दे रहा है कनाडा-कनाडा में तेजी से बढ़ रहे खालिस्तान समर्थन को बढ़ावा देने में सरकार का हाथ है। सूत्रों की मानें तो कनाडा चरमपंथियों को पीछे से बढ़ावा दे रहा है। चरमपंथी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राजनीतिक समर्थन जैसी धारणाओं की आड़ में करीब 50 साल से कनाडा की जमीन से स्वतंत्र रूप से काम कर रहे हैं। कनाडा इन चरमपंथियों द्वारा डराने धमकाने, हिंसा किए जाने और नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त रहने पर पूरी तरह चुप्पी साध लेता है। सूत्रों की मानें तो एयर इंडिया के विमान कनिष्क में 1985 में खालिस्तानी चरमपंथियों ने बम विस्फोट किया था और यह अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुए हमले से भी पहले हुआ दुनिया के सबसे बड़े आतंकवादी हमलों में से एक हमला था। कनाडाई एजेंसियों की बेरुखी के कारण इस हमले का मुख्य आरोपी तलविंदर सिंह परमार और उसके खालिस्तानी चरमपंथियों का समूह बचकर निकल गए।

खालिस्तान समर्थकों का नायक परमार-सूत्रों का कहना है कि विमान में बम विस्फोट करने का मुख्य आरोपी परमार आज कनाडा में खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों का नायक है और प्रतिबंधित समूह सिख फॉर जस्टिस ने अपने अभियान केंद्र का नाम भी परमार के नाम पर रखा है। सूत्रों का कहना है कि पिछले कुछ सालों में खालिस्तानी चरमपंथियों के हौंसले और बुलंद हो गए तथा उन्होंने बिना किसी खौफ के कनाडा से काम करना शुरू कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वहीदा को फाल्के

यह वाकई सुखद संयोग है कि देश जब हरदिल अजीज अभिनेता देव आनंद की जन्मशती मना रहा था, ठीक उसी दिन यानी 26 सितंबर को उनकी कालजयी फिल्म गाइड की नायिका वहीदा रहमान को भारतीय सिनेमा का शिखर सम्मान 'दादा साहब फाल्के' देने की घोषणा की गई। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि वहीदा रहमान और देव साहब की जोड़ी रुपहले परदे पर लंबे समय तक छाई रही। दोनों ने सात फिल्में साथ-साथ की थीं, जिनमें से पांच जबर्दस्त हिट रहीं। बहरहाल, वहीदा इस सम्मान की हकदार हैं, बल्कि कई बार से यह सवाल उठाया जा रहा था कि क्या उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है? वैसे, सच यही है कि इतने सारे महान कलाकारों में से एक को चुनने की बाध्यता हमेशा इस सवाल को मौजूं बनाए रखेगी। देर से ही सही, इस दुरुस्त फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। वहीदा रहमान की शख्सियत का सबसे आकर्षक पहलू यह है कि फिल्मी करियर की शुरुआत से लेकर अब तक उन्होंने अपनी शर्तों पर ही काम किया और इसमें उनकी परवरिश का बड़ा योगदान रहा। बचपन में जब वह भरत नाट्यम सीख रही थीं, उनके जिला मजिस्ट्रेट पिता से किसी रिश्तेदार ने शिकायती अंदाज में कहा था, मुसलमान होकर बेटी को नचाओगे? तरक्कीपसंद पिता का जवाब था, कला कोई बुरी नहीं होती, इंसान बुरे होते हैं। गौर कीजिए, वह देश-बंटवारे के ठीक बाद का दौर था। किन्हीं आशंकाओं या टोटकों की वजह से अभिनेताओं-अभिनेत्रियों के नाम बदल दिए जाते थे, वहीदा ने इसी शर्त पर फिल्म साइन की कि उनका नाम नहीं बदला जाएगा और अपने लिबास भी वह खुद तय करेंगी। गुरुदत्त ने बला की खूबसूरत इस स्वाभिमानी बाला की शर्त सहर्ष मान ली थी। वहीदा इस मायने में भी बड़ी अदाकारा हैं कि वह कभी फिल्मों की सफलता का श्रेय लूटने की होड़ में नहीं रहीं, क्योंकि जिस वक्त वह इस कला-विधा में आई थीं, फिल्में अमूमन निर्देशक की कृति समझी जाती थीं। इसीलिए वह अक्सर इंटरव्यू में यह कहते सुनी गईं कि गुरुदत्त की फिल्मों का हिस्सा बनने पर उन्हें हमेशा फख्र रहेगा। आधी सदी से लंबे कालखंड में पसरे अभिनय करियर में कई फिल्मों के लिए वहीदा हमेशा सराही जाएंगी, मगर उनके अभिनय के पूरे वितान को तीन फिल्मों- गाइड, तीसरी कसम और खामोशी से समझा जा सकता है। गाइड की 'रोजी' का किरदार तो जैसे स्त्री मुक्ति का उद्घोष है। तरह-तरह की पाबंदियों और वर्जनाओं को तोड़ने की उत्कंठा किस दौर की स्त्री की नहीं रही? जब वहीदा ने परदे पर आज फिर जीने की तमन्ना है, आज फिर मरने का इरादा है को चरितार्थ किया, तो जैसे समूचे नारी समाज की दमित इच्छा को अभिव्यक्ति मिल गई थी। आज जब स्त्री मुक्ति का विमर्श नए-नए रूपों में हमारे सामने है, बल्कि कई बार यह बेहद अशोभनीय रूप में सामने आता है, तब रोजी का किरदार हमें एक शालीन राह दिखाता है। रेणु की मारे गए गुलफाम कहानी पर बनी तीसरी कसम की 'हीरा बाई' के किरदार को भी कैसे भुलाया जा सकता है? वह आंचलिक दुनिया भले अब नहीं रही, आवागमन के आधुनिक माध्यमों ने भले बैलगाड़ी को इतिहास के पन्नों में समेट दिया, और ग्रामीण थिएटरों का रूप भी बदल गया है, मगर तीसरी कसम व हीरा बाई हमेशा एक जीवंत दस्तावेज बनी रहेंगी। 85 साल की वहीदा रहमान को मिला फाल्के सम्मान अनगिन कलाकारों को प्रेरित करेगा कि मेहनत कभी राएगां नहीं जाती।

आज का राशिफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

जनतांत्रिक मूल्यों को नकारते असभ्य बोल

विश्वनाथ सचदेव

संसद का विशेष अधिवेशन बुलाने की आवश्यकता और औचित्य को लेकर अब भी सवाल उठ रहे हैं। वैसे यह अनुमान तो लगाया ही जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ दल महिला-आरक्षण जैसे ऐतिहासिक विधेयक के साथ विशेष अधिवेशन को जोड़कर नए संसद भवन को भी कुछ और विशेष बनाना चाहते होंगे। निश्चित रूप से इस विधेयक का पारित होना भारतीय जनतंत्र की एक विशेष उपलब्धि है। वर्षों से, दशकों से कहना चाहिए, यह मुद्दा चर्चा और विवाद का विषय बना रहा है। ऐसा नहीं है कि इस संदर्भ में पहल नहीं हुई, पर हर बार कोई न कोई पेंच पड़ जाता था। इस बार लोकसभा और राज्यसभा दोनों ने लगभग शत-प्रतिशत बहुमत से इसे पारित किया है। यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है। भले ही इसे तत्काल लागू न करा कर सत्तारूढ़ दल ने कोई खेल खेला हो, पर फिर भी शुरुआत का स्वागत होना ही चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर इसे लागू करने की दिशा में शीघ्र ही कोई कदम उठाया जायेगा। फिलहाल तो यह एक ऐसा चैक ही है जिस पर कोई तारीख ही नहीं है। लेकिन इस विशेष अधिवेशन को महिला आरक्षण विधेयक के संदर्भ में ही याद किये जाने की प्रधानमंत्री की चाह, शायद पूरी नहीं हो पायेगी। नए संसद भवन के इस पहले अधिवेशन के बजाय यह बात हमेशा याद रखी जायेगी कि जिस तरह के अपशब्दों का इस्तेमाल इस अधिवेशन में किया गया, वैसा हमारे पिचहत्तर साल के संसदीय लोकतंत्र में कभी नहीं हुआ था। असंसदीय शब्दों के इस्तेमाल की कहानी छोटी नहीं है, ऐसे शब्दों को लेकर एक पुस्तिका भी प्रकाशित की जा चुकी है और उसी के अनुसार न जाने कितनी बातों को संसदीय कार्रवाई से बाहर किया जा चुका है। आगे भी किया जाएगा। पर सवाल उठता है क्या मात्र इतना करना पर्याप्त है? लोकसभा में बहस के दौरान सत्तारूढ़ दल के एक वरिष्ठ सदस्य ने बहुजन समाजवादी पार्टी के उतने ही वरिष्ठ सदस्य के संदर्भ में जिन शब्दों को काम में लिया है वह इतने घटिया हैं कि उन्हें लिखना भी उचित नहीं माना जायेगा। अध्यक्ष ने माननीय सदस्य के शब्दों को सदन की कार्रवाई से निकाल दिया है, और यह चेतावनी भी दी है कि आगे से फिर कभी भी ऐसे शब्दों को काम में लेंगे तो और कठोर कार्रवाई करनी पड़ेगी। सत्तारूढ़ दल के एक वरिष्ठ नेता, देश के रक्षा मंत्री, ने तभी अपनी पार्टी के सदस्य की इस शर्मनाक हरकत पर खेद प्रकट करना ज़रूरी समझा था। इस खेद व्यक्त करने को क्षमा मांगने के रूप में भी प्रसारित किया जा रहा है। पर सवाल अभद्र शब्दों का नहीं, उस बीमार मानसिकता का है जिसके चलते देश का कोई सांसद संसद-भवन में कार्रवाई चलने के दौरान ऐसी घटिया और नितांत आपत्तिजनक भाषा काम में लेते हुए हिचकता नहीं। देश भर में इस घटना की चर्चा हो रही है, पर संबंधित सदस्य ने अभी तक क्षमा मांगने की बात तो छोड़िए, खेद व्यक्त करना भी ज़रूरी नहीं समझा है। जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो उनका कहना था, 'नो कमेंट', और वे अपनी कार में बैठकर आगे बढ़ गए थे। उनका यह मानना है कि मामला लोकसभा-अध्यक्ष के समक्ष है, इसलिए उन्हें चुप रहना चाहिए। काश! वे तब भी चुप रहते जब उन्होंने सदन में उन आपत्तिजनक शब्दों को काम में लिया था। भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने जो आपत्तिजनक और शर्मनाक बात कही थी वह सिर्फ बसपा के सांसद कुंवर दानिश अली के खिलाफ ही नहीं थी। वस्तुतः वे शब्द एक पूरी जमात के खिलाफ जाते हैं। जिस तरह से यह बात कही गयी थी, उसका सीधा-सा यही अर्थ निकलता है कि देश के अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति उनकी क्या राय है। देश का कोई भी विवेकशील नागरिक किसी समाज के प्रति ऐसी मानसिकता नहीं रख सकता। यह एक नितांत घटिया सोच की नितांत घटिया अभिव्यक्ति थी जो उस दिन देश की संसद में गूंजी। सड़क की भाषा और अभिव्यक्ति का देश की संसद में पहुंचना अपने आप में एक दुखद स्थिति है। राजनीतिक विरोधियों के साथ वाद-विवाद जनतांत्रिक प्रणाली की आवश्यकता ही नहीं, विशेषता भी है। सांसदों में मतभेद होना भी स्वाभाविक है। मतभेदों की अभिव्यक्ति कटु भी हो सकती है। लेकिन जिस तरह की कटुता एक माननीय सांसद ने उस दिन सदन में दूसरे माननीय सांसद के प्रति दिखाई वह किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं है। अब तो यह कल्पना करना भी मुश्किल लग रहा है कि आरोपी सांसद ने अपने साथी सांसद से अब आंख कैसे मिला पायेंगे। जीवन में भाषा की मर्यादा बनी रहे, यह ज़रूरी है। उतना ही ज़रूरी यह भी है कि देश के नागरिक एक-दूसरे के प्रति संयत और भद्र बने रहें। देश के विधायकों-सांसदों का तो यह भी दायित्व बनता है कि वे अपनी कथनी-करनी से देश के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करें। पर यह जो उदाहरण माननीय सांसद ने उपस्थित किया है, किसी भी दृष्टि से क्षम्य नहीं है। इसके खिलाफ उचित और समुचित कार्रवाई होनी ही चाहिए। सवाल सिर्फ अभद्र और अश्लील भाषा का नहीं है। संसद में हुआ यह घटनाक्रम हमारी संस्कृति और सभ्यता पर भी सवाल उठाता है। गुस्से में कभी कोई शब्द ऐसा निकल भी जाता है, पर किसी सभ्य और सुसंस्कृत समाज की पहचान यह है कि ऐसा कुछ हो जाने पर तत्काल क्षमा मांग ली जाये-सिर्फ शब्दों से नहीं, मन से क्षमा मांगी जाये। पर हमारी राजनीति में ऐसी परंपरा शायद अब नहीं रही। राजनीतिक विरोधी को अपना दुश्मन मानने की यह प्रवृत्ति घटिया मानसिकता ही नहीं दर्शाती, जनतांत्रिक मूल्यों को भी नकारती है। कुछ अर्सा पहले इस मामले में नहीं एक अन्य संदर्भ में देश के संसदीय मामलों के मंत्री ने एक सांसद के 'अनुचित व्यवहार' के संदर्भ में कहा था, 'मैं तो उन्हें समझाने की कोशिश करूंगा, पर अंततः उनका व्यवहार उनकी संस्कृति को ही दर्शाता है।' निश्चित रूप से हमारी संस्कृति घटिया नहीं है, घटिया सोच और घटिया शब्दों के लिए हमारी गौरवशाली संस्कृति में कोई स्थान नहीं है। दुर्भाग्य से, यह घटियापन हमारी राजनीति में बार-बार उजागर हो रहा है। इस पर रोक लगनी ही चाहिए। दुर्भाग्य तो यह भी है कि हमारे बड़े नेता भी अभद्र भाषा और अशालीन अभिव्यक्ति से स्वयं को बचा नहीं पाते। नियमों से, कानून से इस प्रवृत्ति पर कुछ अंकुश लग सकता है, पर असली अंकुश तो व्यक्ति की अपने सोच से ही लगेगा। आवश्यकता घटिया सोच को बदलने की है। बिधूड़ी जैसे हमारे प्रतिनिधि जितना जल्दी इस बात को समझ लेंगे, उतना बेहतर है। किसी भी सभ्य समाज में उनके जैसा व्यवहार अस्वीकार्य है, यह बात उन्हें समझनी होगी, उन्हें समझानी होगी। देखते हैं लोकसभा अध्यक्ष यह कैसे समझाते हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

तरक्की का लाभ अंतिम व्यक्ति को भी मिले

समृद्धि की राह/ सुरेश सेठ

पिछले दिनों कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं जो उपलब्धियां बनकर भारत की साख को दुनिया में बढ़ा गईं। जिस देश ने सदियों औपनिवेशिक त्रासदी झेली, गरीबी का मुकाबला किया, दुनिया के देश उसे वैश्विक नेतृत्व की राह पर चलता हुआ बताने लगे। निस्संदेह, विश्वभर की आर्थिक मंदी के वातावरण में भी भारत ने अपनी विकास दर को बनाए रखा और एक दशक में दुनिया की पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया। चुनौतीपूर्ण समय में भारत की आवाज सुनी जाने लगी है। जी-20 का साझा घोषणापत्र एक बहुत बड़ा इम्तिहान था। पिछली बार इंडोनेशिया या बाली में जो घोषणापत्र जारी हुआ था, उसे रूस ने स्वीकार नहीं किया था क्योंकि उसमें रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में रूस का नाम लेकर आलोचना थी। इस बार यह भारत की कूटनीति की जीत हुई। रूस और चीन ने भी साझा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने में देर नहीं लगाई। भारत ने जिस तरह जी-20 में अफ्रीकी यूनियन को शामिल किया तथा इंडिया-मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर की स्थापना का रास्ता तैयार किया, वह हमारी बड़ी उपलब्धि है। अमेरिका, सऊदी अरब और यूरोप के देश एक ही मंच पर आकर चीन के उन सपनों को झुठला रहे हैं, जिनके अंतर्गत वह वन बैल्ट वन रोड परियोजना बना रहा था। इससे पहले कि वह हिंद प्रशांत इलाके में अपना दबदबा बना पाता, भारत ने उसको भी चुनौती दे दी है। जी-20 के देशों की अर्थव्यवस्था 85 प्रतिशत तक दुनिया में योगदान कर रही है। इसके निवेश के लिए चीन के आर्थिक साख में उखड़ते जाने से निवेश के लिए पसंदीदा देश या विकल्प भारत का बन जाना हमारे विनिर्माण क्षेत्र को बहुत बड़ी ताकत दे रहा है। वहीं चाहे महंगाई को रोकने के लिए मौद्रिक नीति का रुख बदलकर देश में निवेश विकास के स्थान पर महंगाई नियंत्रण कर दिया गया, इसके बावजूद ऋण पर बढ़ती ब्याज दरों के चलते देश में ऋण लेने की दर कम नहीं हुई। इस तरह निवेश में यूं वातावरण बना रहा जहां बार-बार शेयर मंडियों की चांदी होती रही। दुनिया बदल रही है। दुनिया के काम करने के तौर-तरीके बदल रहे हैं। अब दिल्ली में देखें तो भारत मंडपम और यशोभूमि से उठती हुई आवाज इन बदलते तौर-तरीकों की सूचना देती है। भारत ने अमेरिका और यूरोप का सहयोग तो हासिल कर लिया लेकिन यह हमारी कूटनीति की विशेषता थी कि हमने चीन की वर्चस्ववादी नीतियों को हावी नहीं होने दिया। रूस ने चाहे चीन और पाकिस्तान की ओर मित्रता का हाथ अधिक जोश से बढ़ाया लेकिन भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर शांति की पैरवी करते हुए उस तटस्थ रुख को नहीं छोड़ा कि जिसके कारण रूस की नाराजगी मोल ली जा सकती थी। बल्कि अपने कठिन समय में रूस ने सस्ता कच्चा तेल लेकर स्थिति को सम्भाला। फिर इसी कच्चे तेल को भारत की रिफाइनरियों ने फिनिश करके दुनिया के बाजार में बेचा और भारत ने पैसा कमाया। भारत की नई छवि की बात करते हैं तो इसरो को कैसे भुलाया जा सकता है। इसरो का चंद्रयान अभियान पूरी तरह से सफल हुआ है। इस सफल अभियान से हमें चांद के धरातल पर विशेष तथ्यों से साक्षात्कार करवाए गए। इसरो की मुहिम लगातार गति पकड़ रही है। अब सूरज की ओर आदित्य अभियान सफलता के साथ अपने कक्ष बदलता हुआ स्थापित हो रहा है। उससे हमें सूरज से वे जानकारियां प्राप्त हो सकती हैं, जो आने वाले दिनों में जलवायु के असाधारण परिवर्तनों से होने वाली तबाही को कम या टालने में सहायक होंगी। पिछले दिनों छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए इसरो का निजीकरण भी हुआ है और तीसरी दुनिया के देशों ने अपने संचार उपग्रह प्रक्षेपण के लिए भारत की सेवाएं लेने की ओर उत्साह दिखाया है।

निश्चय ही यह निजीकरण और इससे होने वाली कमाई हमारी विदेशी मुद्रा के भंडार को भरेगी। हम अपनी मुद्रा के डॉलर क्षेत्र में अवमूलन से बचत का एक रास्ता खोल सकेंगे। वैसे तो मुक्त व्यापार या अपनी-अपनी मुद्रा में व्यापार भी एक रास्ता है। भारत उस रास्ते पर भी चल निकला है। क्वाड देशों का समूह भारत की इस पहलकदमी के साथ प्रतिबद्धता जता रहा है। अब आसियान देशों के साथ व्यापार की यह समझ पैदा हो जाती है तो यह निश्चय ही भारत की छवि को और भी उज ज्वल कर देगी। बस, एक ही बात की प्रतीक्षा इस बदलती हुई छवि में रहेगी। वह यह कि जब भारत की इस उन्नत होती हुई छवि से देश का चेहरा उजला हो तो उसके साथ-साथ उसमें रहने वाले करोड़ों गरीबों का चेहरा भी उजला होना चाहिए। उस पर से उदासीनता के बादल छंटें। वैसे इस दिशा में पहल हुई है। इसके लिए अभी-अभी जिस विश्वकर्मा योजना को शुरू किया गया है जिसमें कारीगरों की आर्थिक स्थिति सुधारने की खोज-खबर ली जाएगी। अगर इसे सही ढंग से चलाया जाता है तो इससे देश की 55 प्रतिशत आबादी का भला हो जाएगा क्योंकि ये सभी लोग छोटे-बड़े कारीगर हैं।

विचार मंथन

निष्पक्ष चुनाव और चुनाव आयोग की भूमिका

(लेखक - सनत जैन)

कुछ माह में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 2024 में लोकसभा चुनाव होना है। चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर लगातार सवाल उठने लगे हैं।आम लोगों के मन में यह धारणा बनने लगी है, क्या भारत में निष्पक्ष चुनाव संभव है। चुनाव आयोग की भूमिका क्या निष्पक्ष है।चुनाव में सत्ता पक्ष की भूमिका मतदाताओं को प्रभावित कर रही है? चुनाव के पहले जिस तरह रेवड़ियां बाटी जा रही है। उसको लेकर अब यह चर्चा जन-जन के बीच होने लगी है। चुनाव के दौरान जिस तरह से सत्ता सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है, उसको लेकर भी आमजन आश्चर्यचकित हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का चुनाव इलाहाबाद हाईकोर्ट ने केवल इसलिए रद्द कर दिया था, कि इंदिरा गांधी ने जिस मंच से चुनावी भाषण दिया था। वह मंच उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार गया था। उनके मंच में यशपाल कपूर जो उनके निजि सचिव थे। वह मंच पर मौजूद थे। इन दो कारणों से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए न केवल इंदिरा गांधी को हाईकोर्ट में गवाही के लिए तलब किया। वरन उनका चुनाव भी अवैध घोषित कर दिया। हाईकोर्ट के निर्णय ने भारतीय राजनीति को बदलकर रख दिया।भारत में पहली बार आपातकाल लगा। जिसकी चर्चा आज भी होती है। टीएन सेशन 12 दिसंबर 1990 में मुख्य चुनाव आयुक्त बने। उन्होंने 6 साल का कार्यकाल पूरा किया। निष्पक्ष चुनाव के लिए उन्हें जो समझ में आया, वह उन्होंने किया। वह कभी केंद्र सरकार और राजनीतिक दलों के प्रभाव में नहीं आए। चुनाव पारदर्शी बनाने के लिए, चुनाव की गड़बड़ियों को रोकने के लिए, उन्होंने 1993 में पहली बार फोटो युक्त मतदाता परिचय पत्र अनिवार्य किया। अधिसूचना जारी होने के बाद से वह निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए खुद ही नियुक्तियां करते थे। सेना और पुलिस बल को चुनाव आयोग ही तैनात करता था। इसमें भी केंद्र सरकार की मनमर्जी नहीं चली। मतदान के दौरान शिकायत मिलने पर मतदान रोककर दोबारा मतदान कराने, सभी राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने के लिये अवसर दिये। इसके लिए उन्होंने प्रिंट मीडिया,आकाशवाणी, दूरदर्शन इत्यादि को भी आचार संहिता में लपेटकर नियंत्रित करने का काम किया। चुनाव के दौरान कोई भी घोषणाएं सरकार न कर पाए, इस पर भी ध्यान रखा। चुनाव आयुक्त टीएन सेशन का सरकार और राजनेताओं पर इतना खौफ हो गया था। उनके खिलाफ महाभियोग लाने का प्रयास किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंहराव ने महाभियोग के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। जनता के बीच टीएन सेशन बड़े लोकप्रिय हुए। सरकार को लग रहा था,कि महाभियोग लाया गया तो जनता नाराज हो सकती है। सरकार ने टीएन सेशन को नियंत्रित करने के लिए तीन चुनाव आयुक्त बनाए। जीवीजी कृष्णमूर्ति और एमएस गिल को बराबर के अधिकार दिए गए। सेशन इसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट गए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की कार्यवाही पर मोहर लगाई थी। इसके बाद भी टीएन सेशन निष्पक्ष चुनाव कराने में पूर्णतः सफल रहे। वह पहले ऐसे चुनाव आयुक्त थे। जिन्होंने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए कभी कोई समझौता तथा दबाव स्वीकार नहीं किया। जो दो नए चुनाव आयुक्त बनाए गए थे। वह भी उनके काम में दखलंदाजी नहीं कर पाए। वर्तमान में चुनाव आयोग की जो कार्य प्रणाली है। लोग टीएन सेशन के कार्यकाल से उसकी तुलना करने लगे हैं। अब चुनाव आयोग है या नहीं, इसकी चर्चा होती है।

सरकार के निर्देश पर ही चुनाव हो रहे हैं। चुनाव के कुछ महीने पहले से सरकारी खजाने से सरकार रेवडियां बांटने लगती है। सरकारी खर्चे से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाता है। स्टार प्रचारकों के नाम पर सरकारी खर्च पर चुनाव को प्रभावित किया जाता है। चुनाव के दौरान सरकारी धन का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग होता है। 2014 के बाद से मीडिया भी, सरकार के इशारे पर कवरेज करता है। विपक्ष को मीडिया में कोई स्थान नहीं मिल रहा है। विपक्ष की आवाज जनता तक नहीं पहुंच रही है। इन सब स्थितियों को देखते हुए, यह कहा जाने लगा है, कि भारत में निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं रहे।

मतदाताओं को खुलेआम प्रलोभन दिया जाता है। मतदाताओं को खुलेआम धमकाया जाता है। मीडिया पक्षपाती हो गया है। आकाशवाणी और दूरदर्शन भी निष्पक्ष नहीं रहे। निजी चैनल उद्योग पतियों के कब्जे में हैं। उन पर चुनाव आयोग का कोई नियंत्रण नहीं है।

सरकार यदि यह मानती है, कि सत्ता और मुफ्त की रेवड़ी उसे चुनाव जिता सकती है। तो यह सरकार का भ्रम है। पिछले वर्षों में कई ऐसे विधानसभा के चुनाव हुए हैं।

बैंक कर्मचारी 4 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच 13 दिन की हड़ताल करेंगे

चेन्नई। बैंकिंग क्षेत्र के सबसे बड़े कर्मचारी संघ, ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन ने कर्मचारियों की भर्ती की मांग को लेकर 4 दिसंबर से 20 जनवरी 2024 के बीच देश भर में श्रृंखलाबद्ध हड़ताल का आह्वान किया है। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) के महासचिव सीएच वेंकटचलम ने कहा, सरकार और बैंकों की ओर से बैंकों में क्लेरिकल और अधीनस्थ कैडर्स में कर्मचारियों की संख्या कम करने और पर्यवेक्षी कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने का एक जानबूझकर प्रयास किया जा रहा है। विचार बिल्कुल स्पष्ट है कि वे कम वर्कर चाहते हैं जो औद्योगिक विवाद अधिनियम द्वारा शासित हों। इसी तरह हमने यह भी पाया है कि हमारे द्विपक्षीय समझौते के अनुसार वेतन के भुगतान से बचने के लिए बैंकों में नियमित और स्थायी नौकरियों को अनुबंध के आधार पर आउटसोर्स करने का एक वंचित प्रयास किया जा रहा है। इसके कारण, बैंकों में लिपिक (क्लेरिकल) कर्मचारियों की भर्ती में साल-दर-साल भारी कमी आई है और अधीनस्थ कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति पर लगभग प्रतिबंध लगा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोगों को उचित पारिश्रमिक के बिना अस्थायी और आकस्मिक आधार पर नियोजित किया जा रहा है। एआईबीईए ने 4-11 दिसंबर तक विभिन्न राष्ट्रीयकृत और निजी बैंकों में हड़ताल की घोषणा की है और 2-6 जनवरी तक विभिन्न राज्यों में बैंकर काम पर हड़ताल करेंगे। इसके बाद 19-20 जनवरी, 2024 को दो दिवसीय अखिल भारतीय बैंकरों की हड़ताल होगी।

फिनटेक फर्म ब्राइट मनी ने इक्विटी, डेट राउंड में 62 मिलियन डॉलर जुटाए

बेंगलुरु। कंज्यूमर फिनटेक कंपनी ब्राइट मनी ने बुधवार को घोषणा की कि उसने इक्विटी और डेट राउंड में 62 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। फंडिंग में एनसिना लेंडर फाइनेंस से 50 मिलियन डॉलर का ऋण और अल्फा वेव, हमिंगबर्ड और पीक एक्सवी के नेतृत्व में 12 मिलियन डॉलर की इक्विटी शामिल है। भारत में 180 से ज्यादा टीम के सदस्यों के साथ, कंपनी ने कहा कि वह विशेष रूप से अमेरिका में मिलेनियल्स को आक्रामक रूप से पूरा करने के लिए नए फंड का उपयोग करेगी। ब्राइट मनी के सह-संस्थापक और सीटीओ वरुण मोदी ने कहा, ÷ब्राइट मनी में, हम यूजर्स को एआई-संचालित वित्तीय योजना के साथ ऋण-मुक्त होने में मदद करने के लिए मौजूद हैं। ब्राइट मनी के इंटेलिजेंस सिस्टम मनी मैनेजमेंट में डेटा-संचालित असिस्टेंट के रूप में काम करने के साथ-साथ पर्सनलाइज पेमेंट प्लान बनाने में मदद करते हैं।÷ ब्राइट मनी ऐप एआई और मशीन लर्निंग के पावर से कंज्यूमर्स को कर्ज से बाहर निकलने में मदद करता है। ब्राइट मनी प्रोडक्ट्स में क्रेडिट स्कोर निर्माण, स्वचालित ऋण भुगतान योजना, वित्तीय नियोजन, बजट नियोजन उपकरण और पुनर्वित्त ऋण शामिल हैं। यह क्रेडिट कार्ड, छात्र ऋण और कार ऋण के साथ काम करता है। 2019 में स्थापित, कंपनी का लक्ष्य बड़े डेटा और एआई द्वारा संचालित वैश्विक खुदरा बैंकों के संचालन को नया आकार देना है। ब्राइट मनी के सह-संस्थापक और सह-सीईओ, एवी पैचवा ने कहा, ÷हमने पिछले साल में 6 गुना वृद्धि देखी है और अब हम सैकड़ों यूजर्स तक पहुंच गए हैं। हमारा मानना है कि डेटा एक पॉजिटिव फोर्स है, जिसका अगर प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए तो ट्रांसफॉर्मेटिव प्रभाव हो सकता है।÷एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, कुल अमेरिकी कंज्यूमर कर्ज हाल ही में पहली बार 17 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया है।

अदाणी पोर्ट्स एंड सेज ने किया ऐलान, शेयर में आई तेजी

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन ने बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह 2024 में मैच्योर होने वाले 195 मिलियन डॉलर के बॉन्ड्स को टेंडर ऑफर के द्वारा बॉयबैक करेगी। कंपनी ने 27 सितंबर को इसकी जानकारी देकर बताया कि वह इस खरीदारी की फंडिंग अपने पास रखे कैश रिजर्व से करेगी। 11 अक्टूबर तक टेंडर किए गए डेट के लिए, कंपनी 1,000 डॉलर के हर मूलधन यानी प्रिंसिपल पर 975 डॉलर का भुगतान करेगी। इसके बाद ऑफर की कीमत 1,000 डॉलर के मुकाबले कम होकर 965 डॉलर हो जाएगी। कंपनी की तरफ से इस ऑफर के ऐलान के बाद इसके शेयरों में उछाल देखा गया। सुबह 10ः 19 बजे कंपनी के शेयर बीएसई पर 0.66 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 826.25 रुपये प्रति शेयर हो गए। वहीं, एनएसई पर भी कंपनी के शेयरों में 0.46 प्रतिशत की उछाल देखी गई और इसके शेयर 825.15 रुपये पर पहुंच गए।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले छह माह में, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन का स्टॉक सेंसेक्स बेंचमार्क के 14 प्रतिशत के मुकाबले 31 प्रतिशत चढ़ गया है। इस साल की शुरुआत में, हिंडनबर्ग रिपोर्ट जारी होने के बाद, स्टॉक ने 3 मार्च को 52-सप्ताह के निचले स्तर 394 रुपये प्रति शेयर को छू लिया था, जबकि 16 नवंबर, 2022 को यह 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 916 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। अदाणी की कंपनी ने 2024 तक बकाया 3.37 प्रतिशत सीनियर नोट खरीदने के लिए कैश टेंडर ऑफर लांच किया है। कंपनी चाहती है कि वह छोटे पीरियड में मैच्योर होने वाले अपने डेट का आंशिक पेमेंट कर दे। गौरतलब है कि कुछ ही महीनों में नोट्स के लिए ये कंपनी की दूसरा टेंडर ऑफर होगा। पहला ऑफर कंपनी ने मई में 130 मिलियन डॉलर के नोटों का निपटान करने के लिये किया था।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया आठ पैसे की बढ़त के साथ ही 83.20 पर बंद हुआ। आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में रिकवरी देखी गयी। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 5 पैसे की तेजी के साथ 83.23 पर पहुंच गया। वहीं सुबह रुपया 83.23 पर खुला और डॉलर के मुकाबले 83.21 से 83.24 के बीच कारोबार करता दिखा। बाद में रुपया अपने पिछले बंद से 5 पैसे ऊपर 83.23 पर कारोबार कर रहा था। वहीं गत दिवस रुपया कमजोर होकर 83.28 पर बंद हुआ था। गत दिवस रुपये के गिरने का कारण अमेरिकी ट्रेजरी में बढ़ोतरी और डॉलर के मजबूत होने के कारण रुपये की गिरावट को माना गया है। इसके अलावा, फेडरल रिजर्व नीति निर्माता द्वारा लंबे समय तक ब्याज दर वृद्धि चक्र के संकेत के बाद अमेरिकी डॉलर दस महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

नोमुरा के अपग्रेड के बाद निफ्टी में उछाल

नई दिल्ली । नोमुरा ने भारतीय बाजारों की रेटिंग बढ़ाकर 'ओवरवेट' कर लिया, जिसके बाद बुधवार को घरेलू शेयर बाजार सकारात्मक दायरे में लौट आए। यह जानकारी मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के रिटेल रिसर्च प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने दी।इंडेक्स हैवीवेट शेयरों में खरीदारी के बीच निफ्टी निचले स्तरों से उबर गया और 52 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 19716 के स्तर पर बंद हुआ। उन्होंने कहा कि निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 0.8 फीसदी और 1 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ व्यापक बाजार ने बेहतर प्रदर्शन किया। फार्मा, एफएमसीजी और पीएसयू बैंक के शीर्ष पर रहने के साथ अधिकांश सेक्टर हरे निशान में बंद हुए। उन्होंने कहा कि पिछले दिन की बिकवाली के बाद बाजार में कुछ राहत देखी गई लेकिन बढ़ती ब्याज दरों, कच्चे तेल की कीमतों और चीन में विकास संबंधी चिंताओं को देखते हुए दबाव अभी भी जारी है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी विश्ले लेषक रूपक डे ने कहा कि निफ्टी ने दिन के दौरान मजबूत सुधार दिखाया, जिसे 50ईएमए पर समर्थन मिला। दिन का समापन बुलिश एनगल्फिंग पैटर्न के निर्माण के साथ हुआ। सूचकांक में पर्याप्त तेजी की आशा के लिए एक स्पष्ट ब्रेकआउट जरूरी है। 19,750 से आगे एक निर्णायक कदम संभावित रूप से सूचकांक को 19,900 तक धकेल सकता है। नकारात्मक पक्ष पर समर्थन 19,600 पर स्थापित है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 173 अंक , निफ़्टी 51 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन कमजोर शुरुआत के बाद भी अंतिम घंटे में लिवाली (खरीददारी) से बाजार में ये उछाल आया। एशियाई और यूरोपीय बाजारों में आई तेजी के रुख के बीच ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस , एलएंडटी और आईटीसी के शेयरों में आये उछाल से बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 173.22 अंक करीब 0.26 फीसदी बढ़कर 66,118.69 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी कारोबार के दौरान 51.75 अंक करीब 0.26 फीसदी ऊपर आकर 19,716.45 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एलएंडटी के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.71 फीसदी की बढ़त रही। इस दौरान आईटीसी, सनफार्मा, मारुती, रिलायंस, एक्सिस बैंक, विप्रो, इन्फोसिस सहित 21 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। दूसरी ओर टाइटन ,एसबीआई, एचडीएफ़सी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक बैंक और टाटा स्टील समेत 9 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। टाइटन के शेयर सबसे ज्यादा 1.24 फीसदी गिरे। एशियाई बाजारों की बात करें तो सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के बाजारों में गिरावटर रही जबकि यूरोप के ज्यादातर बाज़ार ऊपर आये हैं। गत दिवस अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।

गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 693.47 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आई है। कारोबार के दौरान बीएसई सूचकांक 200 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 65,800 पर कारोबार करता दिखा। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 54 अंक टूटकर 19,610 के स्तर पर कामकाज करता नजर आया। सुबह गिफ्ट निफ्टी में भी गिरावट रही और ये 50 अंक नीचे आकर 19,600 के स्तर पर कामकाज करता नजर आया। जानकारों के अनुसार चीन और ऑस्ट्रेलिया के महंगाई आंकड़ों के आने से पहले ही एशियाई बाजारों में भी दबाव का माहौल है। निक्केई, कोस्पी और एएसएक्स करीब 0.75 फीसदी के दायरे में नीचे थे, जबकि हैंग सेंग 0.03 फीसदी बढ़ा।

लुलु ग्रुप ने हैदराबाद में खोला मॉल, 3,500 करोड़ रुपये के निवेश की योजना

हैदराबाद ।

संयुक्त अरब अमीरात स्थित रिटेलर लुलु ग्रुप ने बुधवार को हैदराबाद में अपना पहला मॉल खोलकर तेलंगाना में प्रवेश किया। समूह ने अगले तीन वर्षों में राज्य में 3,500 करोड़ रुपये का निवेश करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। तेलंगाना के उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने 5,00,000 वर्ग फुट में फैले मॉल का उद्घाटन किया। लुलु समूह के अध्यक्ष यूसुफ अली ने कहा कि वे तेलंगाना में अगले तीन वर्षों में 3,500 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 100 प्रतिशत निर्यात की सुविधा के लिए निवेश एक गंतव्य शॉपिंग मॉल, मिनी मॉल और कृषि सोर्सिंग, लॉजिस्टिक्स और प्रोसेसिंग हब में होगा। उन्होंने कहा कि दूसरी परियोजना हैदराबाद में मांस प्रसंस्करण सहित निर्यातोन्मुख अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र होगी। उन्होंने कहा, स्थानीय मछुआरा समुदाय का समर्थन करने के लिए हम मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र (सिरसिला) में समुद्री खाद्य खरीद और प्रसंस्करण केंद्र की योजना बना रहे हैं। केटी रामा राव ने कहा कि मॉल पहला कदम था। लुलु समूह ने सुपरमार्केट, मॉल, खाद्य प्रसंस्करण, जलीय और मछली प्रसंस्करण सहित संबद्ध क्षेत्रों में 3,500 करोड़ रुपये के निवेश का वादा किया था। उन्होंने कहा कि इससे न केवल तेलंगाना में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे बल्कि मछली और पोल्ट्री किसानों को भी लाभ होगा।

यह मॉल कुकटपल्ली क्षेत्र में बना है। 300 करोड़ रुपये की परियोजना हैदराबाद और इसके आसपास के लोगों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारी का अनुभव प्रदान करेगी। मॉल 75 से अधिक स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों के साथ एक मेगा लुलु हाइपरमार्केट, 1,400 लोगों की बैठने की क्षमता वाला एक पांच-स्क्रीन सिनेमा, एक बहु-व्यंजन फूड कोर्ट और बच्चों के मनोरंजन केंद्र आदि की मेजबानी करता है।

लुलु हाइपरमार्केट ताजा उपज और किराने की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। इसमें 'लुलु फैशन स्टोर' और 'लुलु कनेक्ट' ब्रांड नामों के तहत फैशन, घरेलू उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, आईटी और जीवन शैली उत्पादों के लिए अलग-अलग अनुभाग होंगे।

सरकार जल्द ही सीनियर सिटीजन्स को दे सकती है राहत भरी खबर, हेल्थ इंश्योरेंस पर घटेगी जीएसटी दर

बिजनेस डेस्क :

केंद्र सरकार जल्द ही सीनियर सिटीजन्स के लिए राहत भरी खबर ले कर आ सकती है। सूत्रओं के अनुसार, सीनियर सिटीजन्स के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी को कम कर सकती है। वित्त मामलों की स्थायी समिति ने स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी घटाने की सिफारिश की है। जीएसटी की दर 18 से घटाकर 12त्न की जा सकती है। बीमा कंपनियां और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता जीएसटी कटौती पर जोर दे रहे हैं। 7 अक्टूबर को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की होने वाली बैठक में इस बात पर फैसला हो सकता है। अगर जीएसटी में कटौती की गई तो इससे सीनियर सिटीजन्स को काफी राहत मिलेगी। आपको बतां दे कि जीएसटी परिषद की 52वीं बैठक सात अक्टूबर, 2023 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में होगी। जानकारी के मुताबिक, इस बैठक में इंश्योरेंस पर जीएसटी को लेकर चर्चा संभव है। साथ ही जानकारी है कि ऑनलाइन गेमिंग और कसीनो पर भी चर्चा हो सकती है।

ह्युंडई ने नई आई 20 एन लाइन को किया लॉन्च

-मैनुअल ओर डीसीटी गियरबॉक्स में किया ऑफर

नई दिल्ली ।

ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी ह्युंडई ने इंडिया में नई आई 20 एन लाइन को लॉन्च किया है। परफॉर्मेंस्ड फोकस आई 20 एन लाइन को कंपनी ने मैनुअल ओर डीसीटी गियरबॉक्स में ऑफर किया है। कार में कई डिजाइन और कॉस्मैटिक के साथ साथ फीचर्स के भी बदलाव किए गए हैं। आई 20 एन लाइन को कंपनी ने एन 6 और एन 8 दो वेरिएंट्स में ऑफर किया है। कार के लॉन्च होने के साथ ही माना जा रहा है कि अब हैचबैक सेगमेंट पर ह्युंडई का कब्जा फिर एक बार हो सकता है। कार की बुकिंग कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट और डीलरशिप पर शुरू हो चुकी है। नई एन लाइन में ऑल ब्लैक थीम के साथ रेड इंसर्ट दिए गए हैं। ये आपको स्टीयरिंग, सीट्स और गियर नॉब पर देखने को मिलेंगे। कार में फीचर्स के तौर पर स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, नेविगेशन और कनेक्टेड कार टेक, 7-स्पीकर बोस सिस्टम और सी-टाइप चार्जर पोर्ट का ऑप्शन मिलेगा। सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल असिस्ट कंट्रोल, व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, ऑल डिस्क ब्रेक और ऑटो हेडलैम्प सहित 35 फीचर्स मिलेंगे। कार के इंजन की बात की जाए तो इसमें कंपनी ने 1.0 लीटर का टर्बोचार्ज पेट्रोल इंजन दिया है। ये कार को 118 बीएचपी की पावर देता है। इसी के साथ 172 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। कार में अब कंपनी ने 16 इंच के नए अलॉय व्हील दिए हैं। फ्रंट ग्रिल पर आपको एन की ब्रांडिंग भी देखने को मिलेगी। कार को एक नया कलर एबिस ब्लैक भी दिया गया है। इसी के साथ एटलस वाइट, टाइटन ग्रे, थंडर ब्लू, स्टारी नाइट ऑप्शन भी आप सलेक्ट कर सकते हैं। बता दें कि आई 20 फेसलिफ्ट के लॉन्च के कुछ ही समय में ह्युंडई ने एक और धमाका कर दिया है।

2023 में भारतीय कंपनियों में महिला कार्यबल बढ़कर हुआ 26 प्रतिशत : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

एक रिपोर्ट से यह बात सामने आई है कि भारतीय कंपनियों में काम करने वाली महिलाओं की संखेया में बढ़ोत्तरी आई है। 2023 में महिला कार्यबल बढ़कर 26 प्रतिशत हो गया। यह 2021 में 21 प्रतिशत था। ग्रेट प्लेस टू वर्क इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, जहां उच्चतम और निम्नतम महिला उपस्थिति वाले उद्योगों के बीच महिलाओं के प्रतिनिधित्व में 38 प्रतिशत का अंतर है। इससे पता चलता है कि महिलाएं कम महिला प्रतिनिधित्व वाले उद्योगों में भी काम कर रही है। इसके अलावा, लगभग आठ प्रतिशत भारतीय सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) महिलाएं हैं, जिनमें से 32 प्रतिशत महिलाएं वरिष्ठ नेतृत्व पदों पर हैं, जिनके संगठनों में महिला साथियों की कमी है। ग्रेट प्लेस टू वर्क इंडिया की सीईओ यशस्विनी रामास्वामी ने कहा, हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि 2023 में भारतीय कंपनियों में महिला कार्यबल में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जिसके परिणामस्वरूप 89 प्रतिशत महिलाएं अपनी भूमिकाओं से मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती हैं।

उन्होंने कहा, यह 2021 में 21 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में प्रभावशाली 26 प्रतिशत हो गई है, जिसमें सबसे अच्छे कार्यस्थल अपने समकक्षों की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक महिलाओं को रोजगार देकर आगे बढ़ रहे हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि शिक्षा और प्रशिक्षण और गैर-लाभकारी और चैरिटी आर्गेनाइजेशन जैसे क्षेत्र, क्रमशः 45 प्रतिशत और 47 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व के साथ बढ़े हुए विश्वास स्तर को प्रदर्शित करते हैं। जबकि, परिवहन, विनिर्माण और उत्पादन जैसे उद्योग, 13 प्रतिशत और 9 प्रतिशत की कम लिंग विविधता के साथ, अभी भी कर्मचारियों के बीच मध्यम से उच्च विश्वास स्तर हासिल करने का प्रबंधन करते हैं।

रिपोर्ट में पाया गया कि 'सभी के लिए' अनुभव को प्राथमिकता देने वाले संगठनों में पेशेवर और नेतृत्व विकास के साथ-साथ निर्णय लेने में कर्मचारियों की भागीदारी 14 प्रतिशत बढ़ी है।

सेल्टॉस की 2 महीने में 50 हजार से ज्यादा बुकिंग

-14 जुलाई को ही शुरू कर दी थी बुकिंग

नई दिल्ली ।

बीते 21 जुलाई को लॉन्च हुई किआ कंपनी की सेल्टॉस की 2 महीने के अंदर ही 50 हजार से ज्यादा बुकिंग हो गई हैं। कार की बुकिंग कंपनी ने हालांकि 14 जुलाई को ही शुरू कर दी थी। इसी के साथ कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में सेल्टॉस सबसे तेज 50 हजार की बुकिंग का आंकड़ा छूने वाली गाड़ी बन गई है। आसान शब्दों में इस बात को समझें तो देश भर में हर दिन किआ सेल्टॉस की 833 यूनिट्स से ज्यादा बुकिंग हो रही है। किआ इंडिया के सेल्स एंड बिजनेस हैड मायुंग सिक सोहन ने कहा कि सेल्टॉस लोगों के लिए भरोसेमंद कारों में से एक बन गई है। उन्होंने बताया कि वेटिंग पीरियड को कम करने के लिए हमने प्रोडक्शन को ऑप्टिमाइज किया है।

हम चाहते हैं कि ग्राहकों तक उनकी पसंदीदा एसयूवी बिना इंतजार के पहुंचे। किआ सेल्टॉस के टॉप मॉडल को लोग सबसे ज्यादा पसंद कर रहे हैं। सेल्टॉस एचटीएक्स की कुल बुकिंग में 77 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं 47 प्रतिशत बुकिंग उन मॉडल्स की है जो अडास फीचर से लैस हैं। इससे ये साफी पता चलता है कि लोग लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ ही बेस्ट इन क्लास फीचर्स और एक सेफ कार की चाहत रखते हैं। वहीं 17 फीचर्स ऐसे हैं जो वेरिएंट के हिसाब से आपको मिलते हं। सेल्टोस में डुअल स्क्रीन, पैनारॉमिक सनरूफ, डुअल जोन फुली ऑटोमैटिक एयर कंडीशनर, वेंटीलेटेड सीट्स जैसे कई शानदार फीचर्स भी दिए गए हैं।अपने सेगमेंट में किआ सेल्टॉस सबसे ज्यादा सेफ्टी फीचर्स ऑफर करने वाली कार है। इसमें 32 सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। इसमें से 15 सेफ्टी फीचर्स ऐसे हैं जो स्टैंडर्ड तौर पर कार में दिए हैं।

भारत से मोबाइल फोन निर्यात 45,000 करोड़ रुपये के पार, एप्पल सबसे आगे

नई दिल्ली।

'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देते हुए, भारत ने चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त की अवधि के बीच 5.5 बिलियन डॉलर (45,000 करोड़ रुपये से अधिक) के मोबाइल फोन निर्यात किए। आईएएनएस को मिले वाणिज्य विभाग और इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के अनुमान के अनुसार, अप्रैल-अगस्त की अवधि में 5.5 अरब डॉलर के मोबाइल फोन निर्यात हुए, जबकि वित्त वर्ष 22-23 की समान अवधि में 3 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। उद्योग सूत्रों के अनुसार अप्रैल-अगस्त की अवधि में भारत निर्मित फोन निर्यात में एप्पल सबसे आगे रहा और पहली बार कुल अनुमानित आंकड़े के 50 प्रतिशत से अधिक को पार कर सैमसंग दूसरे स्थान पर रहा। सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि जून तिमाही में, एप्पल ने देश के कुल 12 मिलियन स्मार्टफोन शिपमेंट में से लगभग 50 प्रतिशत निर्यात किया, जबकि सैमसंग ने 45 प्रतिशत निर्यात किया। यह पहली बार है जब एप्पल ने देश से स्मार्टफोन निर्यात मात्रा में अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष सैमसंग को पीछे छोड़ दिया है, क्योंकि इसमें आईफोन 15 सीरीज की मजबूत बिक्री और मांग देखी गई जो पिछले साल की तुलना में 100 प्रतिशत (या 2 गुना) से अधिक थी। भारत चालू वित्त वर्ष में मोबाइल फोन निर्यात में 1,20,000 करोड़ रुपये को पार करने के लिए तैयार है, जिसमें एप्पल वित्त वर्ष 24 में 50 प्रतिशत से अधिक के साथ बाजार में अग्रणी रहेगा। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार घरेलू विनिर्माण से प्रेरित, एप्पल आईफोन इस साल एंड्रॉइड-प्रभुत्व वाले स्मार्टफोन बाजार में 7 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के लिए भी तैयार है। देश में इस साल की पहली छमाही में एप्पल आईफोन शिपमेंट में 68 प्रतिशत (साल-दर-साल) की वृद्धि हुई। मार्केट रिसर्च फर्म साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के अनुसार, पहली छमाही में एप्पल ने भारतीय स्मार्टफोन बाजार में 6 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की और 63 प्रतिशत की मजबूत बाजार हिस्सेदारी के साथ सुपर-प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट (50,000 रुपये से 100,000 रुपये के बीच) पर अपना दबदबा बनाया। पहली बार एप्पल ने अपनी वैश्विक बिक्री के पहले दिन भारत निर्मित आईफोन 15 और 15 प्लस बेचे, साथ ही उन इकाइयों को कुछ अन्य बाजारों में भी निर्यात किया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निखत ज़रीन जीतीं; शिवा थापा और संजीत बाहर

हांगझोउ। दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन ने बुधवार को हांगझोउ में एशियाई खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण कोरिया की चोरोंग बाक पर 5-0 से जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में 16वें राउंड के मुकाबले में, निखत अपने कोरियाई प्रतिद्वंद्वी पर हावी रहीं और पांचों जजों में से प्रत्येक के कार्ड पर मुकाबला जीतकर आगे निकल गईं। आखिरकार उसने अंकों के आधार पर मुकाबला 5-0 से जीत लिया। रेड कॉर्नर से शुरुआत करते हुए, निखत ने अपने प्रतिद्वंद्वी को किसी भी लय में नहीं आने दिया क्योंकि उसने कॉम्बो के साथ हमला किया और फिर दूर चली गई। निखत की जीत भारतीय मुक्केबाजी समर्थकों के लिए एक राहत के रूप में सामने आई क्योंकि दिन की शुरुआत में, अनुभवी शिवा थापा और संजीत राउंड 16 चरण में हार गए थे।शिवा थापा यहां पुरुषों के 57 किग्रा में राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में किर्गिस्तान के अस्कट कुल्ताएव से 0-5 से हारकर बाहर हो गए। संजीत पुरुषों के 92 किग्रा में अपना राउंड ऑफ 16 मुकाबला विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता उज्बेकिस्तान के लज़ीज़बेक मुल्लोजोनोव से हार गए। शिवा थापा की हार भारत के लिए बड़ा झटका थी क्योंकि एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में सबसे अनुभवी मुक्केबाज थे।

एशियाई खेल : निशानेबाजी में भारत ने जीते दो स्वर्ण, सिफत ने बनाया नया विश्व रिकार्ड

हांगझोउ ।

भारतीय निशानेबाजों ने एशियाई खेलों के चौथे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण सहित पांच पदक जीते। निशानेबाजी में ये स्वर्ण सिफत कौर सामरा और मनु भाकर, ईशा सिंह और रिद्म सांगवान की तिकड़ी ने जीते। सिफत ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम इवेंट में स्वर्ण पर निशाना लगाया। सिफत ने 50 मीटर 3पोजीशन राइफल में ये स्वर्ण जीता। उन्होंने 469.6 का स्कोर किया जो कि पिछले रिकॉर्ड से 2.6 अंक अधिक है। भारत की ही आशी ने इस स्पर्धा का कांस्य पदक हासिल किया। वहीं पुरुश स्कीट टीम ने भी कांस्य पदक जीता। सिफत ने स्वर्ण के साथ ही नया विश्व रिकॉर्ड भी बनाया है। एशियाई खेलों में अब भारत के खाते में पांच स्वर्ण पदक हो गये हैं। वहीं पुरुषों की स्कीट टीम स्पर्धा में, अंगद वीर सिंह बाजवा, गुरजोत सिंह खांगुरा और अनंत जीत सिंह नरूका ने 355 के संयुक्त स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया। वहीं मनु , ईशा और सांगवान ने चीन को पीछे छोड़कर भारत को स्वर पदक दिलाया। मनु महिलओं की 25 मीटर पिस्टल इवेंट के क्वालिफिकेशन में पहले नंबर पर रहीं थी जबकि ईशा पांचवें और रिद्म सातवें पायदान पर रहीं थी। इससे पहले महिला राइफल टीम ने 50 मीटर राइफल-3 पोजीशन इवेंट में रजत पदक जीता था। आशी चौकसे, मानिनी कौशिक और सिफ्त कौर सामरा की महिला टीम ने एशियन गेम्स 2023 के फाइनल में 1764 के स्कोर के साथ रजत पदक पर निशाना लगाया। चीन ने स्वर्ण जबकि कोरिया ने कांस्य हासिल किया। सिफत ने कुल 594 अंकों के साथ 9.900 के औसत से स्कोर बनाया, ये एशियाई खेलों का क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड स्कोर है। सिफत व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में दूसरे स्थान पर रहीं जबकि आशी छठे स्थान पर रहीं और महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। इन खेलों में भारत ने अब तक 5 स्वर्ण, 5 रजत और सात कांस्य सहित कुल 17 पदक जीते हैं। इसमें सबसे अधिक 8 पदक निशानेबाजी में मिले हैं।

ब्राजील के पूर्व फुटबॉलर रोनाल्डो ने की तीसरी शादी

इबीसा ।

ब्राजील की विश्वकप विजेता फुटबॉल टीम के सदस्य रहे रोनाल्डो ने 47साल की उम्र में तीसरी शादी की है। पूर्व फुटबॉलर रोनाल्डो ने 33 साल की मॉडल पार्टनर सेलिना लॉक्स से इबीसा के एक चर्च में शादी की। इस जोड़े ने इसी साल जनवरी में सगाई की थी। सेलिना ने 7 साल पहले पूर्व रियल मैड्रिड और इंटर मिलान के स्ट्राइकर रहे रोनाल्डो के साथ डेटिंग शुरू की थी। इन दोनो ने अपनी शादी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर भी भेजी है। इसमें इस मॉडल ने लिखा, आज हम अपने परिवारों को एक अंतरंग धार्मिक उत्सव के लिए एक साथ लाए और इस तरह कई समारोहों के एक सप्ताह की शुरुआत हुई। इस जोड़े ने अपनी शादी पर क्रीम रंग के कपड़े पहने हुए थे। वहीं मेहमानों में रिश्तेदारों के अलावा रोनाल्डो के पूर्व रियल मैड्रिड टीम के साथी खिलाड़ी जूलियो बैप्टिस्टा भी शामिल थे। रोनाल्डो, जो अब स्पेनिश सेकेंड डिवीजन टीम रियल वलाडोलिड के अध्यक्ष हैं, ने चर्च में प्रवेश करने से पहले प्रशंसकों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। इस फुटबॉलर ने इससे पहले ब्राजील की ही मिलेन डोमिंगुएस से पहली जबकि मारिया बीट्रिज एंटनी से दूसरी शादी की थी। इनके एक बेटा और दो दो बेटियां हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 13-0 से हराया

हांगझोउ । भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने शुरुआती मुकाबले में ही सिंगापुर को 13-0 से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर से संगीता कुमारी ने हैट्रिक लगायी जबकि नवनीत कौर ने दो गोल किये। नवनीत ने 14वें मिनट में एक के बाद एक ये गोल किये। इसके अलावा दीपिका ने 11वां वें, सुशीला चानू ने आठवें उदिता ने छठे और नेहा ने 19 वें मिनट में गोल दागे। दीप ग्रेस इक्का ने 17 वें सलीमा टेटे ने 35 वें और वंदना कटारिया ने 56 वें मिनट में गोल किया। वहीं मोनिका ने 52वें मिनट में एक गोल किया। दूसरी ओर सिंगापुर की टीम एक भी गोल नहीं कर पायी। भारतीय टीम का मुकाबला अब मलेशिया से होगा।

नेपाल के क्रिकेटर ने सबसे तेज अर्धशतक लगाकर युवराज का रिकार्ड तोड़ा

हांगझोउ ।

नेपाल की क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में मंगोलिया के खिलाफ 300 से अधिक अधिक रन बनाकर सबको हैरान कर दिया। इस मैच में नेपाल के दो क्रिकेटरों कुशाल मल्ला और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने नये विश्व रिकार्ड भी बनाये हैं। इनके इस प्रदर्शन के बल पर ही नेपाल की टीम एशियाई खेलों में 300 से अधिक का स्कोर बनाने वाली पहली टीम बन गयी है। टी20 प्रारुप के इस मैच में नेपाल के इस विशाल स्कोर में बल्लेबाज कुशाल की अहम भूमिका रही। कुशाल ने 34 गेंदों में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सबसे तेज शतक लगा दिया। इसके अलावा कुशल ने डेविड मिलर और रोहित शर्मा के संयुक्त रूप से पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा जिन्होंने 35 गेंद में ही शतक बनाया था। इस मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कुशाल ने 12 छक्कों और 8 चौकों से नाबाद 137 रन की पारी खेली जिससे नेपाल ने इस मैच में मंगोलिया के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 314 रन बनाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वोच्च टीम स्कोर का पिछला रिकॉर्ड अफगानिस्तान के नाम था जिसने 23 फरवरी 2019 को आयरलैंड के खिलाफ तीन विकेट पर 278 रन बनाए थे। वहीं इस मैच में नेपाल के 5वें नंबर के बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी ने केवल 9 गेंद में ही अर्धशतक लगाकर युवराज सिंह के 16 साल पुराने सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। तोड़ा। युवराज ने 19 सितंबर 2007 को इंग्लैंड के खिलाफ विश्व टी20 मैच में 58 रन की पारी खेलने के दौरान 12 गेंद में अर्धशतक बनाया था।

संक्षिप्त समाचार

गर्मी से परेशान हुए स्मिथ को आये चक्कर

राजकोट । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ यहां तीसरे एकदिवसीय मैच में तेज गरमी से परेशान नजर आये। यहां तक की एक समय उन्हें चक्कर आने का अहसास हुआ। जिसके बाद उनके लिए कुर्सी मंगवानी पड़ी। इस मैच में ब्रेक के दौरान स्मिथ को राहत पहुंचाने के लिए पवेलियन से कुर्सी भेजी गयी। इस दौरान एक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने उनके सिर पर बर्फ रखी तो जबकि दूसरे ने उन्हें हवा करी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी रही और सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और मिचेल मार्श ने अच्छी पारियां खेली। जिससे टीम एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही।

अश्विन के लिए अब भी विश्वकप के दरवाजे बंद नहीं हुए

मुम्बई । भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन किया है। ऐसे में अश्विन को अब भी 5 अक्टूबर से होने वाले एकदिवसीय विश्वकप कप में खेलने का अवसर मिल सकता है हालांकि शुरुआत में घोषित भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिली थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एकदिवसीय विश्वकप के लिए 28 सितंबर से पहले टीम में बदलाव की सुविधा सभी टीमों को दी है। इसके बाद भी बदलाव संभव है पर तब इसके लिए आईसीसी से अनुमति लेनी होगी। इससे साफ है कि अश्विन के लिए अभी विश्वकप के दरवाजे बंद नहीं हुए हैं। अश्विन की संभावनाएं इसलिए भी बढ़ गयी हैं क्योंकि स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल अभी तक फिट नहीं हुए हैं। एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ अंतिम सुपर फोर मैच के दौरान उनके शरीर में खिंचाव आ गया था। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले दो मैचों में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। वनडे विश्व कप 2023 के लिए 15 सदस्यीय टीम में अक्षर पटेल शामिल हैं। अगर वह पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं तो अश्विन को अवसर मिलना तय है। यह संभव है कि 28 सितंबर तक भारतीय बोर्ड ब अक्षर की फिटनेस या बदलाव को लेकर जानकारी दे दे। वहीं अगर ऐसा नहीं हुआ तो भी बदलाव की संभावनाएं बनी रहेंगी।

पूर्व तेज गेंदबाज आसिफ ने पाक टीम पर सवाल उठाये

लाहौर ।

पाकिस्तान के एक पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आसिफ ने विश्वकप में उतर रही अपने देश की टीम की आलोचना की है। आसिफ ने कहा कि विश्वकप टीम का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं है। आसिफ ने कप्तान बाबर आजम के खराब फार्म पर भी सवाल उठाये हैं। इसके अलावा उन्होंने टीम में शामिल सलमान आगा के प्रदर्शन को भी खराब बताते हुए कहा कि उन्हें शामिल करना फायदेमंद नहीं रहेगा। उन्होंने बाबर की बल्लेबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा, मैं आज भी टी20 क्रिकेट में आजम को मेडेन ओवर कर सकता हूं, साथ ही कहा कि अगर आप उन्हें अच्छी गेंद करेंगे तो वह गेंद को मार नहीं सकते। आसिफ ने साथ ही कहा, अभी हमारे पास आजम को कप्तान बनाये रखने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं है।

उन्होंने कहा, मैंने आज़म को ट्रायल में केवल दो गेंदों का सामना करने के बाद चुना था, आप उनके पिता से पूछ सकते हैं कि मैंने बाबर को ट्रायल में चयनित किया था। मैं उन्हें उच्च रेटिंग देता हूं, वह देश के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं पर वह पावरप्ले में रन नहीं बना पाते और रिज़वान पर दबाव बनाते हैं।

उन्होंने पाक के गेंदबाजी आक्रमण को भी उम्मीद के अनुरुप नहीं माना है। उन्होंने कहा कि हसन अली, शादाब खान, मोहम्मद वसीम और सलमान आगा औसत स्तर के गेंदबाजी हैं। केवल शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ ही बेहतर गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा, हमारी टीम में शाहीन और हारिस के अलावा सभी औसत गेंदबाज हैं, कोई भी विशेष नहीं है। मैं आगा सलमान को खिलाड़ी नहीं मानता, वह समय की बर्बादी करता है। वह जितने रन बनाता है, मैं भी उतने रन बना सकता हूं। वह तभी रन बनाता है जब पाकिस्तान एक टीम के रूप में पहले ही काफी रन बना चुका होता है।

स्वदेश पहुंचने पर मंधाना का भव्य स्वागत

मुम्बई । एशियाई खेलों में स्वर्ण विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। मंधाना ने खिताबी मुकाबले में शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उस मैच में मंधाना ने सबसे अधिक 46 रन बनाये थे। इससे भारतीय टीम एशियाई खेलों में पहली बार में ही स्वर्ण जीतने में सफल रहीं। स्वागत के समय मंधाना भावुक हो गयीं। उन्होंने कहा, 'जब राष्ट्रगान के दौरान राष्ट्रीय ध्वज लहराया तो मेरी आंखों में आंसू आ गए, यह बहुत खास अनुभव था। उन्होंने कहा, हमने देखा है जब नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था तब देश में खुशी की लहर छा गयी थी, वहीं अब देश को पदक दिलाकर हमें बहुत खुशी हैं।' वहीं कुछ वीडियो और तस्वीरें भी सामने आई है, जिसमें एयरपोर्ट पहुंचने पर परिजन और प्रशंसक मंधाना का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए दिखाई दिए। मंधाना वर्तमान समय की बेहतरीन महिला बल्लेबाजों में से एक मानी जाती हैं। वह एकदिवसीय और टी-20 दोनों की महिला बल्लेबाजी रैंकिंग में मौजूद रहने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। 2019 में मंधाना भारत की दूसरी सबसे तेज 2,000 एकदिवसीय रन बनाने वाली क्रिकेटर बनी थीं। मंधाना ने महिला टी-20 में भारत के लिए सबसे तेज अर्धशतक भी लगाया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने केवल 24 गेंदों में ही अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। इसके अलावा वह एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज 3000 हजार रन बनाने वाली क्रिकेटर भी हैं।

पीटरसन एमआई केप टाउन के मुख्य कोच नियुक्त, मलिंगा बने गेंदबाजी कोच

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्पिनर रॉबिन पीटरसन को एसए 20 2024 के लिए एमआई केप टाउन का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। पीटरसन ने एमआई न्यूयॉर्क को उद्घाटन एमएलसी खिताब के लिए प्रशिक्षित किया था। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। एमआई केप टाउन 10 मैचों में 3 जीत के साथ अंक तालिका में अंतिम स्थान पर रहा, पीटरसन 2023 में एमआई केप टाउन के महाप्रबंधक थे। वह मुख्य कोच के रूप में साइमन कैटिच की जगह लेंगे, जबकि मलिंगा न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जैकब ओरम की जगह लेंगे। . पीटरसन और मलिंगा इस साल की शुरुआत में यूएसए के मेजर लीग क्रिकेट के उद्घाटन सत्र में क्रमशः मुख्य कोच और गेंदबाजी कोच के रूप में एमआई न्यूयॉर्क के खिताब जीतने के अभियान का हिस्सा थे। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला राशिद खान की कप्तानी वाली एमआई केपटाउन के बल्लेबाजी कोच बने रहेंगे।

हृदय छेदा और अनुश अग्रवाल घुड़सवारी में ड्रेसाज व्यक्तिगत फाइनल में

हांगझोउ।

टीम स्पर्धा में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक की जीत में शानदार प्रदर्शन के बाद, भारत के हृदय छेदा और अनुश अग्रवाल यहां टोंग्लू इक्वेस्ट्रियन सेंटर में 19वें एशियाई खेलों में बुधवार को ड्रेसाज व्यक्तिगत इंटरमीडिएट स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गए । केमक्सप्रो एमराल्ड पर सवारी कर रहे हृदय 73.883 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर रहे । 25 वर्षीय खिलाड़ी इस दौर में तालिका में शीर्ष पर रहने के बाद पोडियम फिनिश के लिए अगले दौर में प्रवेश करेगा। वहीं अनुश 71.7 के साथ चौथे स्थान पर हैं। बुधवार के ड्रेसाज इवेंट के बाद दिव्याकृति सिंह 67.676 प्रतिशत के साथ क्रमशः 11वें स्थान पर रहीं। इस बीच, सुदीप्ति हजेला बाहर हो गईं। चार सदस्यीय भारतीय टीम ने चार दशकों के अंतराल के बाद ड्रेसाज प्रिक्स सेंट-जॉर्जेस में स्वर्ण पदक जीतकर एशियाई खेलों की घुड़सवारी प्रतियोगिता में इतिहास रच दिया, जब सुदीप्ति, दिव्याकृति, हृदय और अनुश की चौकड़ी ने मंगलवार को टीम प्रतियोगिता जीती। सुदीप्ति (चिंस्की पर), दिव्यकृति (एड्रेनालिन फ़िरफोड), हृदय (केमक्सप्रो एमराल्ड) और अनुष (एट्रो पर) की भारतीय टीम ने 209.206 प्रतिशत अंक हासिल किए और मेजबान चीन से आगे रही, जिसने 204.882 अंक हासिल किए। यह एशियाई खेलों में टीम ड्रेसाज स्पर्धा में भारत का दूसरा पदक था, जब जीतेंद्रजीत सिंह अहलूवालिया, गुलाम मोहम्मद खान और रघुबीर सिंह की टीम ने नई दिल्ली में 1982 के संस्करण में कांस्य पदक जीता था।

रोशिबिना फाइनल में पहुंचीं, ऐसा करने वाली दूसरी भारतीय वुशू खिलाड़ी

हांगझोउ। भारत की रोशिबिना देवी नाओरेम ने एशियाई खेलों में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और बुधवार को जियाओशान गुआली स्पोर्ट्स सेंटर में वुशु प्रतियोगिता में महिलाओं के 60 किलोग्राम के फाइनल में पहुंच गईं। इसके साथ, वह जकार्ता में 2018 संस्करण में जीते गए कांस्य पदक को उसी श्रेणी में अपग्रेड करने के लिए निश्चित है, जिससे कम से कम रजत पदक सुनिश्चित हो जाएगा। रोशिबिना ने महिलाओं की 60 किग्रा स्पर्धा में वियतनाम की थी थू थू गुयेन के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और मुकाबला 2-2 मिनट में 2-0 से समाप्त कर दिया। रोशिबिना ने भी इतिहास रचा क्योंकि वह एशियाई खेलों में वुशु फाइनल में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय बनीं। इससे पहले वांगखेम संध्यारानी देवी 2010 में ग्वांग्झू एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंची थीं। इससे पहले, क्वार्टर फाइनल में रोशिबिना ने अंकों के अंतर से कजाकिस्तान की ऐमन कार्शिगा को हराया था। वह 2019 दक्षिण एशियाई खेलों में इसी श्रेणी में स्वर्ण पदक विजेता थीं। गुरुवार को फाइनल में रोशिबिना का मुकाबला चीन की जू जियाओवेई से होगा। जू ने सेमीफाइनल में ईरान की शहरबानो सेमिरोमी के खिलाफ 2-0 से शानदार जीत हासिल की।

महाराष्ट्र का स्विटजरलैण्ड

लोनावाला

मुंबई की तेज रफ्तार और भागदौड़ से दूर अगर आप थोड़ा सुकून भरा समय बिताना चाहते हैं, तो लोनावाला हिल स्टेशन का रुख कर सकते हैं। पुणे से 64 किलोमीटर दूर और मुंबई से 96 किलोमीटर दूर खूबसूरत नजारों से भरपूर है लोनावला। सह्याद्रि पर्वत की गोद में बसा लोनावाला का सुहाना मौसम और प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को अपनी ओर खींचती है। पर्यटक बारिश के मौसम में वहां जाना पसंद करते हैं। इन दिनों लोनावला की प्राकृतिक छटा निखर जाती है।

लोनावाला महाराष्ट्र का एक हिल स्टेशन है। इसे सहाद्रि पहाडियों के मणि के नाम से भी जाना जाता है। इसे स्वास्थ्यवर्धक पर्यटक स्थल के रुप में भी जाना जाता है। यह समुद्र तल से 625 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इसे मुंबई और पूना का प्रवेश द्वार भी माना जाता है। लोनावाला के नजदीक ही बौद्ध धर्म से संबंधित बाजा तथा कार्ले की प्रसिद्ध गुफाएं हैं।

लोनावला के इतिहास में मराठा और पेशवाओं की कई यादें जुड़ी हैं। जिसे आज भी वहां देखा जा सकता है। 1871 में मुंबई प्रेसीडेंसी के गर्वनर ने लोनावला हिल स्टेशन की खोज की। यहां पर्यटकों के देखने के लिए बहुत कुछ है। जैसे कार्ला, बैजा बौद्ध गुफाएं, जिन्हें देखकर महात्मा बुद्ध के जीवन की याद आती है। यहां उनके जीवन से जुड़े कई चित्र देखने को मिलते हैं। यहां देवी एकवीरा का प्रसिद्ध मंदिर भी है।

लोनावाला महाराष्ट्र के पश्चिम भाग में स्थित है। यह मुंबई से 106 किलोमीटर दक्षिण में है। यहां का मौसम खुशनुमा होता है। गर्मी यहां अप्रैल से जून महीने के बीच पड़ती है। नवंबर से फरवरी के बीच यहां जाड़े का मौसम होता है। यहां दक्षिण-पश्चिमी मानसून के कारण जून और सितंबर के बीच भारी बारिश होती है।

अतीत के झरोखे से

लोनावाला और इसके आसपास का क्षेत्र दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में महत्वपूर्ण बौद्ध केंद्र था। इस क्षेत्र में अभी भी कई प्राचीन बौद्ध मंदिर हैं। इन मंदिरों का निर्माण पत्थरों को काट कर किया गया था। छत्रपति शिवाजी ने इस क्षेत्र पर शासन किया था। बाद में यह क्षेत्र पेशवाओं के नियंत्रण में आ गया। इसके बाद अंग्रेजों ने पेशवाओं को पराजित कर इस क्षेत्र पर कब्जा जमा लिया।

क्या देखें

यहां देखने के लिए काफी कुछ है। आप यहां प्राचीन बौद्ध मंदिर,भव्य किले तथा पहाडियां देख सकते हैं। इसके अलावा यहां पहाड़ पर चढ़ाई का भी मजा लिया जा सकता है।

बुशी डैम- यह लोनावाला से 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह यहां का सबसे प्रसिद्ध पिकनिक स्थल है। मानसून के मौसम में सप्तांहत में यहां काफी भीड़-भाड़ रहती है। लेकिन यहां घूमने आने वाले को कुछ सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती है क्योंकि इस डैम के पानी का स्तर एकाएक बढ़ जाता है। इस डैम में स्वीमिंग की अनुमति नहीं है।

रेवुड पार्क- यह पार्क लोनावाला के मुख्य बाजार के ठीक पीछे स्थित है। यह एक जैविक उद्यान है। इस पार्क के विपरीत दिशा में एक पुराना ईसाई कब्रिस्तान है। इसकी बहुत सी कब्र सौ साल पुरानी है। कुछ कब्रों के नीचे तहखाने भी बने हुए हैं। इन कब्र पर बहुत सुंदर नक्काशी की गई थी। लेकिन लुटेरों ने इन कब्र को लूट लिया। अब स्थानीय लोग इस पार्क को एक पिकनिक स्पॉट के रुप में उपयोग करते हैं।

ड्यूक नोज- इसका नाम एक ब्रिटिश गर्वनर के नाम पर पड़ा। ड्यूक नोज के शिखर को स्थानीय लोग नागफनी के नाम से पुकारते हैं। खंडाला स्टेशन से इसके शिखर पर आसानी से पैदल चढ़ा जा सकता है। लेकिन आपको इस पर चढ़ने से पहले अपनी आवश्यकता अनुसार पानी रख लेना चाहिए। इस पहाड़ी के नजदीक ही सौसेज हिल तथा आईएनएस शिवाजी है। सौसेज हिल पर एक छोटा सा जंगल है जो कि पक्षी के विभिन्न प्रजाति के लिए प्रसिद्ध है।

कार्ले तथा भज गुफा- लोनावाला से 15 किलोमीटर (पुणे

जाने के रास्ते पर) जाने पर आपको पत्थरों को काट कर बनाई गई गुफाएं तथा मंदिर दिख जाएंगे। ये गुफाएं तथा मंदिर बौद्ध धर्म से संबंधित है। लोनावाला से यहां जाने के लिए आप ऑटो या मालावी स्टेशन से लोकल ट्रेन द्वारा जा सकते है। मालावी के दायीं तरफ भज तथा बायीं तरफ कार्ले है। यह मालावी स्टेशन से कुछ ही दूरी पर है जहां आप पैदल या ऑटो द्वारा जा सकते हैं।

कार्ले की गुफाएं पत्थरों को काट कर बनाई गई गुफाओं का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। इस गुफा के स्तम्भ पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। इस गुफा का निर्माण प्र थ म शताब्दी में हीनयान सम्प्रदाय ने आरंभ करवाया था। बाद में इस गुफा को महायान संप्रदाय ने अपने नियंत्रण में लिया। इस गुफा के मुख्य हाल के बाहर कोली मंदिर है।

कार्ले की गुफाओं के विपरीत दिशा में भज की गुफाएं स्थित है। यह मालावी स्टेशन से 3

किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भज की गुफाओं का निर्माण दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में हुआ था। यहां की गुफाएं कार्ले की गुफाओं से ज्यादा सुरक्षित अवस्था में है। यहां खाना खाने के लिए इंद्राणी रेस्टोरेंट है। इसमें दक्षिण भारतीय तथा चाइनीज भोजन परोसा जाता है। इसी के बगल से इंद्रायणी नदी बहती है।

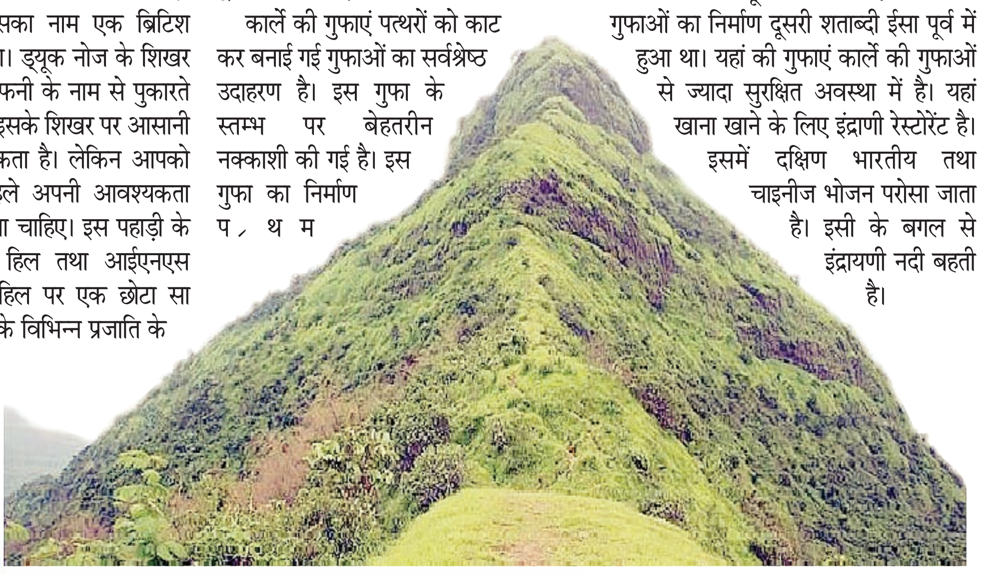

लोनावाला के आसपास

लौहगढ़ किला

इस किले का नाम लौहगढ़ इसलिए पड़ा क्योंकि इसे अपराजेय किला माना जाता था। यह मालावी स्टेशन से 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित भज गांव में स्थित है। यहां से एक रास्ता लौहगढ़ के किले के लिए जाता है। पहले इस किले का उपयोग बौद्ध भिक्षु करते थे। बाद में इस किले पर मुगलों ने अधिकार कर लिया। इस किले में एक दरगाह है। किले में प्रवेश करते ही इस दरगाह पर नजर पड़ जाती है। इस किले के बायीं ओर पावना झील तथा तिकोना किला है। इससे आगे तुंग किला तथा कोरेगढ किला है। इसके दाहिने ओर वलवन डैम तथा झील है।

विशपुर किला- यह किला लौहगढ़ किला के विपरीत दिशा में है। यहां जाने के लिए मालावी स्टेशन से पैदल पतन गांव जाना होता है। इस गांव से एक रास्ता विशपुर के किले को जाता है। यह किला लौहगढ़ के किले से ज्यादा बड़ा है। इस किले में यहां के सरदार का आवास अभी भी भग्नावस्था में है। कहा जाता है इस किले में कैदियों को रखा जाता था इस वजह से यहां लोहे के मजबूत दरवाजे लगवाए गए थे। इस किले से यहां की हरी-भरी पहाड़ी और घाटी का मनोरम दृश्य दिखाई देता है।

तिकोना किला- लोनावाला से एक रास्ता पावना झील होते हुए तिकोना को जाता है। इसके शिखर पर एक बौद्ध गुफा तथा कुछ जल कुण्ड हैं। जाड़े के मौसम में पावना झील में तिकोना किला का प्रतिबिंब दिखता है।

तुंग किला- इस किले पर कुछ जल कुण्ड तथा सुरक्षा प्राचीरें हैं। यहां से लौहगढ़,विशपुर तथा तिकोना किला एंव पावना झील का सुंदर

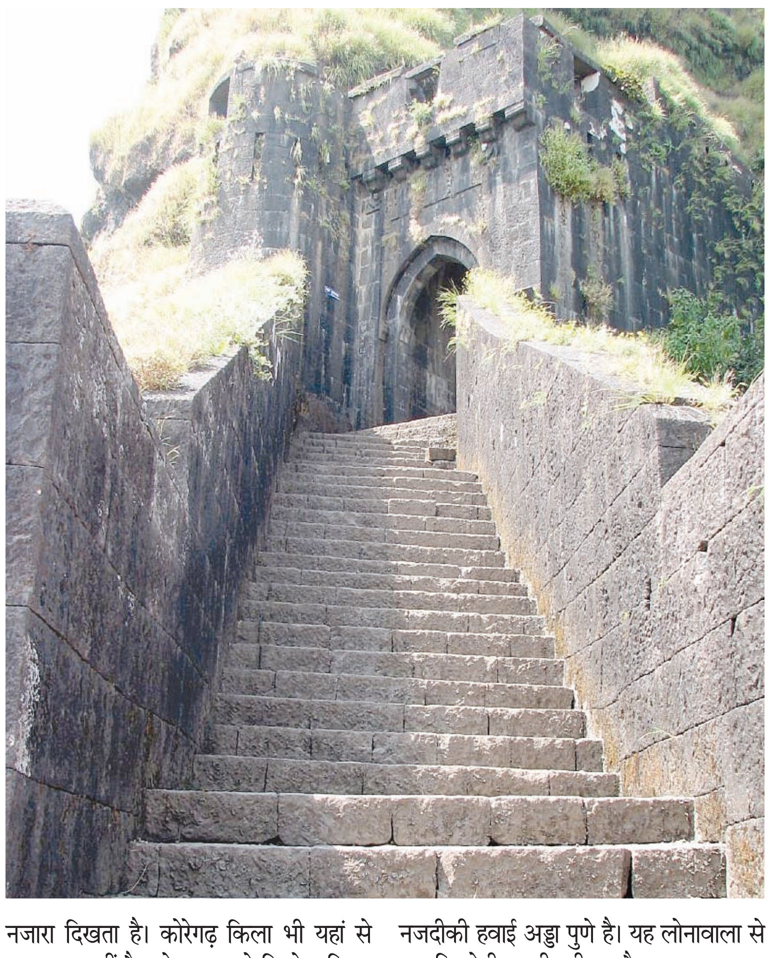

नजारा दिखता है। कोरेगढ़ किला भी यहां से ज्यादा दूर नहीं है। लोनावाला से तिकोना किला के लिए बसें चलती हैं।

झीलें

लोनावाला को पश्चिमी भारत के झीलों का जिला कहा जाता है। इस जिले में कई झीलें हैं। लेकिन यहां,कोई भी झील प्राकृतिक नहीं है। इन झीलों में लोनावाला झील,मानसून झील,तथा वालवान झील प्रमुख है। टाटा कंपनी ने भी यहां अपनी कई झीलें निर्मित की हैं। वह इन झीलों से बिजली उत्पन्न करती है।

भोजन

लोनावाला में कई अच्छे रेस्टोरेंट हैं। यहां गुजराती भोजन मिलता है। यहां एक थाली गुजराती भोजन 45 से 65 रु.के बीच में मिलती है। इसके अलावा यहां कई उडुपी तथा डोसा परोसने वाले होटल भी हैं। मुंबई-पुणे मार्ग पर भी कई रेस्टोरेंट और ढाबें हैं। यहां आपको वड़ा पाव तथा चाइनीज भोजन भी मिल जाएगा।

खंडाला में भी कई रेस्टोरेंट हैं। यहां का कामत तथा ताज रेस्टोरेंट सबसे अच्छा है। इन रेस्टोरेंटों का तंदूरी तथा मुगलई फ्राई प्रसिद्ध है। अगर आप भज तथा कार्ले घूमने जाएं तो एमटीडीसी के होटल के भोजन का स्वाद जरुर लें। इस होटल में भारतीय भोजन के साथ-साथ चाइनीज,गुजराती तथा दक्षिण भारतीय भोजन भी परोसा जाता है।

खरीदारी

लोनावाला मिठाईयों के लिए प्रसिद्ध है। यहां की चिक्की पूरे भारत में प्रसिद्ध है। इसे मूंगफली, काजू, तिल, बादाम, पिस्ता, अखरोट, खजूर आदि कई चीजों को मिला कर बनाया जाता है। इसके अलावा यहां का ब्रिटल कैंडीभी प्रसिद्ध है।

कैसे जाएं

हवाई मार्ग : लोनावाला का सबसे

नजदीकी हवाई अड्डा पुणे है। यह लोनावाला से 64 किलोमीटर की दूरी पर है।

रेल मार्ग : लोनावाला में रेलवे स्टेशन है। यह मुंबई-पुणे रुट पर स्थित है। इस रुट पर चलने वाली सभी ट्रेने लोनावाला रुकती है।

सड़क मार्ग : लोनावाला सड़क मार्ग से पुणे और मुंबई से जुड़ा हुआ है। मुंबई और पुणे से लोनावाला के लिए बस सेवा हर समय उपलब्ध है। सड़क मार्ग द्वारा मुंबई से लोनावाला जाने में 4 घंटे लगते हैं जबकि पुणे से सड़क मार्ग द्वारा लोनावाला जाने में 2 घंटे लगते हैं।

पाक सेना 10 लाख एकड़ जमीन पर करेगी खेती, भोजन की व्यवस्था करने में जुट चुकी है सेना

इस्लामाबाद । पाक सेना ने देश में 10 लाख एकड़ से अधिक कृषि भूमि पर कब्जा कर खेती करने की तैयारी कर रही है। पाकिस्तानी सेना गरीबी से जूझ रही जनता के लिए भोजन की व्यवस्था करने में जुट चुकी है और इसके लिए सरकारी स्वामित्व वाले भूमि के बड़े हिस्से पर कब्जा करना भी शुरू कर दिया है। हालांकि सेना के इस कदम से पाकिस्तान में एक बार फिर सेना के बढ़ते दबदबे को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2024 से नया खाद्य सुरक्षा अभियान की शुरुआत की जाएगी और यह काम नागरिक सैन्य निवेश निकाय के जरिए की जाएगी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि योजना के अनुसार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दिल्ली से लगभग तीन गुना बड़ा क्षेत्र यानी कि करीब 10 लाख एकड़ जमीन को सेना अधिग्रहण करेगी। वहीं इस योजना को सपोर्ट करने वालों का मानना है कि इस कदम के चलते पाकिस्तान में फसल की बेहतर पैदावार होगी और पानी की भी बचत होगी।निक्केई एशिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि फसल बेचने से होने वाले लाभ का लगभग 20 फीसदी हिस्सा कृषि अनुसंधान और विकास के लिए रखा जाएगा। जबकि बाकी का हिस्सा सेना और राज्य सरकार के बीच बराबर बांटा जाएगा। हालांकि सेना के इस कदम को लेकर कई लोगों ने चिंता जताते हुए कहा है कि पाकिस्तान में सेना पहले से ही बहुत शक्तिशाली है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा अभियान के जरिए भारी मुनाफा कमा सकती है और इसके चलते पाकिस्तान के करोड़ों ग्रामीण भूमिहीन गरीबों को भारी नुकसान हो सकता है। बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान की आर्थिक हालात को लेकर एक रिपोर्ट जारी किया था, जिसमें बताया था कि वर्तमान समय में करीब 9 करोड़ लोग गरीबी का दंश झेल रहे हैं।

दिन-रात के मिलन की तस्वीर जारी की स्पेस एजेंसी ने

वॉशिंगटन । यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर दिन और रात के मिलन का एक अदभूत फोटा शेयर किया है। जब दिन और रात का मिलन हो और ठंड का आगमन हो रहा हो, उस वक्त इसे कैप्चर किया गया है। फोटो शेयर करते हुए स्पेस एजेंसी ने लिखा, सर्दियां आ रही हैं। दिन और रात आधे-आधे में बंटे हुए नजर आ रहे हैं। स्पेस एजेंसी के मुताबिक, यह तस्वीर उस वक्त की है जब सूरज खगोलीय भूमध्य रेखा को पार कर रहा है और उत्तरी गोलार्ध में शरद ऋतु का आगमन हो रहा है। चमकते सूर्य ने 07-50 बीएसटी से 08-50 सीईएसटी पर खगोलीय भूमध्य रेखा को पार किया। यह ठंड आने का संकेत है। यह तस्वीर 23 सितंबर को सुबह 9 बजे मेटेओसेट सैटेलाइट से रिकॉर्ड की गई। तस्वीर इतनी मनमोहक है कि इसे महज दो दिन में 1-75 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। हजारों लोगों ने कमेंट्स भी किए हैं। जानकारी के अनुसार, तस्वीर से स्पष्ट है कि शरद ऋतु उत्तरी गोलार्ध में शुरू हुई और दक्षिण गोलार्ध में वसंत का आगमन होने लगा। इसी के साथ सूर्य दक्षिण की ओर पलायन कर रहा है। इस वक्त ग्रह के उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध को समान रूप से सूर्य की रोशनी मिलती है। लेकिन धीरे-धीरे दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य की चमक बढ़ती जाती है। तस्वीर इतनी साफ है कि लोग अपने-अपने देश को इसमें तलाशते नजर आए। कुछ लोगों ने इसे 'विषुव' बताया। दरसल, 'विषुव' शब्द संस्कृत से लिया गया है और इसका शाब्दिक अर्थ दिन और रात्रि के समान होने से है। हालांकि, किसी क्षेत्र में दिन और रात की लंबाई को प्रभावित करने वाले कई दूसरे कारक भी होते हैं।

कनाडा में हाउस ऑफ कॉमंस के स्पीकर ने दिया इस्तीफा

ओटावा। कनाडा की संसद के निचले सदन 'हाउस ऑफ कॉमंस' के स्पीकर ने यूक्रेन के राष्ट्रपति के संबोधन में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी की ओर से लड़ने वाले एक व्यक्ति को बुलाने को लेकर मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को सदन को संबोधित किया। जब स्पीकर एंथनी रोटा ने 98 वर्षीय यारोस्लाव हुंका की ओर ध्यान आकृष्ट किया, तब कनाडाई सांसदों ने उनका स्वागत किया। रोटा ने कहा कि हुंका ऐसे युद्ध नायक हैं, जिन्होंने प्रथम यूक्रेनी डिविजन की ओर से लड़ाई लड़ी थी। बाद में यह पता चला कि इस डिविजन ने नाजियों के कमान में लड़ाई लड़ी थी। रोटा ने हाउस ऑफ कॉमंस के पार्टी नेताओं से मिलने के बाद मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सभी मुख्य विपक्षी दलों ने रोटा के इस्तीफे की मांग की थी।

द्धद्दह्ड्ड्ढ चद्धड्ड्ढ को एटक जेल से अडियाला जेल ले जाया गया, उच्च न्यायालय ने दिया था आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मंगलवार को एटक जेल से रावलपिंडी के अडियाला जेल ले जाया गया। एक दिन पहले ही इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने प्रशासन को उन्हें उच्च सुरक्षा वाली जेल में ले जाने का आदेश दिया था। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अमर फारूक ने सामवार को अधिकारियों को इमरान को अडियाला जेल ले जाने का आदेश दिया था, जहां उन सभी आरोपियों को रखा जाता है, जिन पर इस्लामाबाद एवं रावलपिंडी की अदालतों में मुकदमे की सुनवाई चलती है। दुनिया न्यूज के अनुसार, जब इमरान को एटक से अडियाला जेल ले जाया गया, तब इस्लामाबाद पुलिस की 15 गाड़ियां समेत 18 वाहन काफिले में शामिल थे। इसके अलावा, दो बख्तरबंद वाहन एवं एक एंबुलेंस भी साथ चल रही थी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने भी इस बात की पुष्टि की है कि इमरान को रावलपिंडी ले जाया गया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रवक्ता जुफिकार बुखारी ने एक क्लिप साझा की, जिसमें एक व्यस्त रोड पर कई वाहन तेजी से दौड़ते नजर आ रहे हैं। बुखारी ने लिखा, ''शायद इमरान अडियाला जेल जा रहे हैं।'' पूर्व प्रधानमंत्री को पांच अगस्त से हिरासत में रखा गया है। उससे पहले तोशाखाना मामले में दोषसिद्धि के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने 29 अगस्त को उनकी सजा निलंबित कर दी थी, लेकिन वह अन्य मामले में अब भी जेल में हैं।

अफगान के रास्ते कराची पहुंचे भारतीय पिता-पुत्र, भारत में अत्याचार का लगाया आरोप

लाहौर । अवैध रूप से पाकिस्तान में प्रवेश करने वाले एक भारतीय पिता और पुत्र ने दावा किया है कि वे कथित धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए नई दिल्ली में अपना घर छोड़कर भाग आए हैं। मोहम्मद हसनैन (70) और उनके 31 वर्षीय बेटे इशाक अमीर ने अशांत बलूचिस्तान प्रांत के चमन में पाकिस्तान-अफगान सीमा के रास्ते अवैध रूप से पाकिस्तान में प्रवेश किया। वे वर्तमान में कराची में ईधी वेलफेयर ट्रस्ट के आश्रय गृह में हैं। दोनों लगभग 14 दिन पहले कराची पहुंचे थे। हसनैन ने कहा, 'अगर पाकिस्तानी अधिकारी हमें जेल में डालना चाहते हैं, तो हम इसके लिए तैयार हैं। हम बिना कानूनी दस्तावेजों के आए हैं, लेकिन हम शरण लेने की कोशिश करेंगे।' हसनैन और आमिर नई दिल्ली के गौतमपुरी इलाके के रहने वाले हैं, जहां उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें लंबे समय तक प्रताड़ना और धार्मिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा तथा उन्होंने पाकिस्तान भागने का फैसला किया। हसनैन ने कहा, 'हमें कराची पहुंचने में 14 दिन लगे, जहां हम पुलिस स्टेशन गए और आत्मसमर्पण कर दिया।' दोनों पांच सितंबर को नई दिल्ली से दुबई के लिए रवाना हुए, जहां उन्हें अफगानिस्तान के दूतावास से वीजा मिला। उन्होंने कहा, 'हमें वीजा मिला और हम काबुल के लिए रवाना हुए, जहां से हम सड़क मार्ग से कंधार गए और वहां से हम चमन सीमा के जरिए पाकिस्तान में दाखिल हुए।' दोनों एक अफगान एजेंट की मदद से सीमा पार करने में सफल रहे और बाद में उन्होंने टैक्सी ड्राइवर को कराची ले जाने के लिए 60,000 रुपये का भुगतान किया। कराची के पुलिस उप महानिरीक्षक (दक्षिण) असद रज़ा ने कहा कि दोनों पर जासूस होने का संदेह नहीं था, लेकिन उन्हें 'धार्मिक पूर्वाग्रह और उत्पीड़न का शिकार' माना गया था। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पूर्व भारतीय राजनयिक का दावा, पीएम ट्रूडो के विमान में कोकिन था, वे पूरे समय नशे में थे

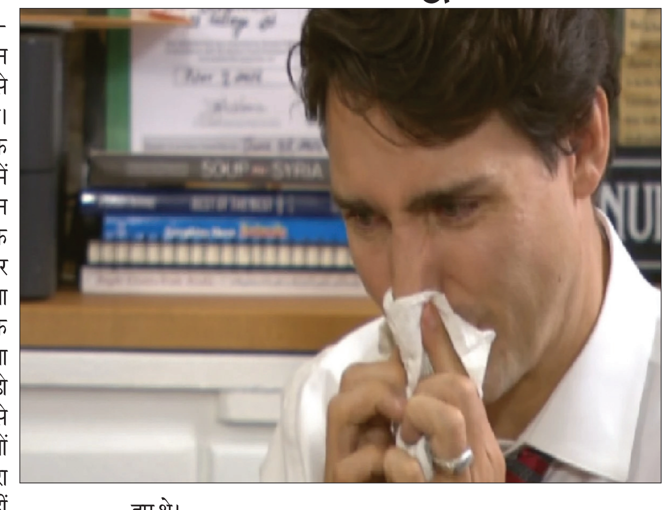

ओटावा (एजेंसी)। भारत-कनाडा के राजनयिक संबंध हर दिन निचले स्तर पर पहुंच रहे हैं दोनों पक्षों से नए दावे और आरोप सामने आते रहते हैं। हाल ही में एक पूर्व भारतीय राजनयिक दीपक वोहरा ने दावा किया था कि भारत में खोजी कुत्तों को कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के चार्टर विमान में कोकीन का एक बैग मिला था जब वह जी20 शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली आए थे। इतना ही नहीं, वोहरा ने आरोप लगाया कि उनके पास विश्वसनीय सूत्र हैं जिन्होंने खुलासा किया है कि कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो कोकीन के नशे में थे और इसी वजह से वह जी20 में भाग लेने वाले विश्व नेताओं के लिए भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित रात्रिभोज पार्टी में शामिल नहीं हुए। वोहरा ने एक न्यूज चैनल से बात करते हुए कहा कि कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो कोकीन के नशे में थे और इसलिए वह कम से कम दो दिनों तक अपने कमरे में रहे और जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान उस डिनर पार्टी में शामिल नहीं हुए, जिसमें दुनिया के अन्य नेता शामिल हुए थे।

कनाडाई पीएमओ ने उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि जस्टिन ट्रूडो जी20 शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली की यात्रा के दौरान ड्रग्स के प्रभाव में थे या अपने साथ कोकीन लेकर आए थे या नहीं। कनाडा के पीएमओ ने इस आरोप का जवाब दिया है और वोहरा के दावों को फर्जी बताया है। कनाडाई मीडिया ने पीएमओ के बयान का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि ये बिल्कुल गलत है और एक परेशान करने वाला उदाहरण है कि कैसे गलत सूचना मीडिया रिपोर्टिंग में अपना रास्ता बना सकती है।

दीपक वोहरा ने क्या कहा?

वोहरा ने कहा था कि उन्हें दिल्ली हवाईअड्डे पर देखा और कहा कि ट्रूडो उदास और तनावग्रस्त लग रहे थे। हमें इसका कारण नहीं पता। मैं वास्तविकता नहीं जानता, लेकिन सोशल मीडिया और कुछ 'विश्वसनीय अफवाहें' बताती हैं कि उनका विमान कोकीन से भरा था...वह अकेले हो गए हैं। वह अब यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह एक कनाडाई रेम्बो हैं और उनकी मौजूदगी में कुछ भी गलत नहीं हो सकता। भारत ने कनाडा में वीजा सेवाएं निलंबित करके सही काम किया है।

भारत के खिलाफ कनाडा के आरोपों की पूर्ण और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए- अमेरिका

न्यूयॉर्क । अमेरिका ने कहा है कि कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में इस साल की शुरुआत में एक अलगाववादी सिख नेता की हत्या में भारत की संलिप्तता को लेकर उसके (कनाडा के) आरोपों की पूर्ण और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमें लगता है कि इस तरह के चिंताजनक आरोपों की पूर्ण और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''कनाडा का कहना है कि वह पूर्ण और निष्पक्ष जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है और हमारा मानना है कि भारत सरकार को इसमें सहयोग करना चाहिए।'' मिलर नयी दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद कनाडा और भारत के बीच चल रहे विवाद को लेकर किए गए सवाल का जवाब दे रहे थे। कनाडा ने भारत पर ब्रिटिश कोलंबिया में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। भारत ने आरोपों को ''निराधार'' बताया है और कहा है कि कनाडा आतंकवादियों के लिए पनाहगाह बन गया है। मिलर ने कहा, ''हम स्पष्ट रूप से कनाडा की स्थिति को लेकर काफी चिंतित हैं। हमने अपने कनाडाई समकक्षों के साथ निकटता से सहयोग किया है और हमने भारत से जांच में सहयोग करने का आग्रह किया है और हम ऐसा करना जारी रखेंगे।'' अधिकारी ने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण भागीदार बना हुआ है।

बैंकों और लोगों को धोखा देकर राष्ट्रपति बने ट्रंप, अमेरिकी कोर्ट ने कहा- कारोबारों के लाइसेंस रद्द कर दिए जाएं

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ धोखाधड़ी के एक मामले की कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान न्यूयॉर्क के एक न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी संपत्ति के मूल्य को बढ़ाकर धोखाधड़ी की और राज्य में उनके व्यापार लाइसेंस रद्द कर दिए। पाया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति और उनकी कंपनी ने अपनी संपत्तियों का अत्यधिक मूल्यांकन करके तथा सौदे करने और ऋण हासिल करने मेंकागजी कार्रवाई में अपनी कुल आय को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा कर बैंकों, बीमाकर्ताओं और अन्य लोगों के साथ धोखाधड़ी की। यह फैसला मैनहट्टन सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति आर्थर एंगोरोन की ओर से आया, जो न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स से सहमत थे कि ट्रम्प और उनके पारिवारिक व्यवसाय, ट्रम्प ऑर्गनाइजेशन ने ऋणदाताओं से बेहतर सौदे पाने के लिए वित्तीय दस्तावेजों में कई गलत बयान दिए। एक उदाहरण यह था कि ट्रम्प ने दावा किया था कि ट्रम्प टॉवर में उनका पेंटहाउस 30,000 वर्ग फुट का था, जबकि वास्तव में यह लगभग 11,000 वर्ग फुट था।

एंगोरोन ने लिखा कि एक रियल एस्टेट डेवलपर द्वारा, जो दशकों से अपने ही अपार्टमेंट में रह रहा था, इस तरह की विसंगति को केवल धोखाधड़ी माना जा सकता है। न्यायाधीश ने यह भी आदेश दिया कि ट्रम्प संगठन के न्यूयॉर्क व्यापार प्रमाणपत्र और राज्य में पूर्व राष्ट्रपति या उनके परिवार के स्वामित्व वाले किसी भी अन्य व्यवसाय को रद्द कर दिया जाए और रद्द किए गए व्यवसायों के विघटन के प्रबंधन के लिए एक स्वतंत्र तीसरे पक्ष को नियुक्त किया जाए। इसका मतलब यह है कि ट्रम्प न्यूयॉर्क में ट्रम्प टॉवर सहित अपनी कुछ संपत्तियों पर नियंत्रण खो सकते हैं।

ट्रंप ऑर्गेनाइज़ेशन के कार्यकारी अधिकारी और मुकदमे के प्रतिवादी एरिक ट्रम्प ने कहा कि आज मैंने न्यूयॉर्क की कानून व्यवस्था पर से भरोसा खो दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मैंने पहले कभी किसी न्यायाधीश द्वारा एक व्यक्ति के प्रति इतनी नफरत नहीं देखी। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर फैसले पर गुस्से में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एंगोरोन को 'विक्षिप्त' और जेम्स को पूरी तरह से पक्षपाती और भ्रष्ट 'अभियोजक' कहा। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें डेमोक्रेट द्वारा सताया जा रहा था और देश कम्युनिस्ट बन रहा था।

मैरिज हॉल में लगी आग में 100 की मौत, 150 घायल

-सुरक्षा मानकों के विरुद्ध बाहरी आवरण पर ज्वलनशील सामग्री का दुरुपयोग

तेहरान (एजेंसी)। इराक के उत्तरी क्षेत्र के निनेवे प्रांत में स्थित एक मैरिज हॉल में आग लगने से 100 लोगों की मौत हो गई और 150 घायल हो गए। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि ईसाई बहुल हमदानिया इलाके में हुई इस घटना को टेलीविज़न फुटेज में जले मलबे को दिखाया गया। जहां यह घटना घटित हुई वह राजधानी बगदाद से लगभग 335 किलोमीटर मोसुल शहर बाहर है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता सैफ अल-बद्र ने बताया कि दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। निनेवेह के प्रांतीय गवर्नर नजीम अल-जुबौरी ने कहा कि उपचार के लिए कुछ घायलों को क्षेत्रीय अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने आगाह किया कि आग से अभी तक हताहतों की कोई अंतिम संख्या नहीं है, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। आग लगने के कारण के बारे में तत्काल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन कार्यक्रम स्थल पर आतिशबाजी के कारण आग की संभावना व्यक्त की जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि मैरिज हॉल के बाहरी हिस्से को अत्यधिक ज्वलनशील आवरण से सजाया गया था जो देश में अवैध था। नागरिक सुरक्षा ने कहा कि अत्यधिक ज्वलनशील, कम लागत वाली निर्माण सामग्री के उपयोग के परिणामस्वरूप आग लगने से हॉल के कुछ हिस्से ढह गए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि इराक में अधिकारियों ने हॉल पर क्लैडिंग का उपयोग करने की अनुमति क्यों दी। अमेरिका के नेतृत्व वाले आक्रमण के दो दशक बाद भी भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन स्थानिक बना हुआ है, जिसने सद्दाम हुसैन को उखाड़ फेंका था। विशेषज्ञों का कहना है कि शादी हॉल और अन्य जगहों पर जो आग लगी है, उन्हें सुरक्षा मानकों को अनुरुप डिज़ाइन नहीं किया गया था।

विवेक रामास्वामी फिर मारेंगे बाजी? दूसरे राउंड की बहस में क्या होंगे नतीजे

वाशिंगटन। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ऑटो कर्मचारियों की हड़ताल, आसन्न सरकारी शटडाउन, डोनाल्ड ट्रम्प की बढ़ती कानूनी परेशानियों और गर्भपात अधिकारों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के मुद्दे पर बुधवार को एक डिबेट के लिए तैयार हैं। यह कार्यक्रम रात 9 बजे शुरू होने वाला है। सिमी वैली, कैलिफ़ोर्निया में न्यूयॉर्क समय के अनुसार, आव्रजन और सीमा सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है। यह उम्मीदवारों को खुद को प्रतिस्पर्धा से अलग करने और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश करने का अवसर भी प्रदान करेगा। विशेष रूप से, सबसे आगे चल रहे ट्रम्प ने एक बार फिर भागीदारी छोड़ने का फैसला किया है। ट्रम्प की अनुपस्थिति में सभी की निगाहें व्यवसायी विवेक रामास्वामी, पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजदूत निक्की हेली और पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस जैसी प्रमुख हस्तियों पर होंगी, जिनसे उम्मीद की जाती है कि वे जोशीले प्रदर्शन करेंगे जिससे पहले उनकी दृश्यता और मतदान संख्या में वृद्धि होगी। मिल्वौकी में पिछले महीने की बहस में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन के बाद फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर टिम स्कॉट के पास भी मोचन का मौका होगा।

अमेरिका में एक हिंदू संगठन ने सीआरडी के खिलाफ मुकदमा दायर किया

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका में एक हिंदू संगठन ने कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग (सीआरडी) के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि विभाग ने राज्य में रहने वाले हिंदुओं के कई संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन किया है। 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' (एचएएफ) और अन्य द्वारा दायर संशोधित शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विभाग ने यह गलत कहा है कि जाति व्यवस्था और जाति-आधारित भेदभाव हिंदू उपदेशों और प्रथाओं का अभिन्न अंग हैं और ऐसा करके विभाग ने कैलिफोर्निया में हिंदुओं के अधिकारों का उल्लंघन किया है।

इस मुकदमे में एचएएफ के साथ वादी के रूप में कैलिफोर्निया स्थित एचएएफ टीम के कई सदस्य और अंतरधार्मिक नेता दिलीप अमीन भी शामिल हैं। मीडिया को जारी एक बयान के अनुसार, हिंदू धर्म और भारतीयों के बारे में सीआरडी के ''असंवैधानिक और गलत'' बयानों से सीधे नुकसान का दावा करने वाले तीन अन्य वादी (सभी भारतीय मूल के हिंदू) भी मुकदमे में शामिल हैं।

न मैं फाइव आईज में हूं और न ही मैं एफबीआई में : एस. जयशंकर

-कनाडा की प्रतिक्रिया पर मीडिया ने विदेश मंत्री से पूछा सवाल तो मिला ये जवाब

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत पर कनाडा के पीएम द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर जब मीडिया ने विदेश मंत्री एस.जयशंकर से सवाल किया तो उन्होंने दो टूक कह दिया कि न मैं फाइव आईज में हूं और न ही मैं एफबीआई में हूं, आपने गलत आदमी से सवाल किया है। बता दें कि भारत और कनाडा के बीच तनाव को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपनी बात एकदम स्पष्ट कर दी है। उन्होंने यूएन की बैठक में शामिल होने के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अगर कनाडा ने आरोप लगाने से पहले या बाद में भी निज्जर की हत्या को लेकर कोई सबूत या संबंधित जानकारी दी होती तो हम इसपर जरूर विचार करते। जयशंकर ने कहा, हमने कनाडा के आरोपों पर स्पष्ट बता दिया है कि यह भारत सरकार की नीति नहीं है। वहीं पत्रकारों ने जब उनसे फाइव आइज अलायंस की खुफिया रिपोर्ट के बारे में पूछा तो विदेश मंत्री ने कहा, आप गलत आदमी से सवाल कर रहे हैं। ना तो मैं फाइव आइज अलायंस में हूं और ना ही एफबीआई का सदस्य हूं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि कनाडा में गैंगस्टरों, चरमपंथियों का आतंक बढ़ गया है। ऐसे में भारतीय राजनयिकों को भी चुनौती मिल रही है। वहीं आए दिन राजनयिक परिसरों में हिंसा होती है। भारत बार-बार कनाडा को इसकी जानकारी देता रहा है। भारत ने आतंकियों की लिस्ट भी कनाडा को सौंपी थी। जयशंकर ने कहा, मैंने कनाडा से कह दिया है कि भारत सरकार की नीति इस तरह की नहीं है। अगर आपके पास कोई पुख्ता सबूत है तो दें, हम इस मामले को देखने के लिए तैयार हैं। जयशंकर ने कहा, इस मामले को समझने के लिए पूरी तस्वीर साफ होनी जरूरी है। हाल के सालों में कनाडा में हिंसा और हत्याएं बढ़ी हैं।

पत्रकारों द्वारा विदेश मंत्री एस.जयशंकर से जब पूछा गया कि अगर कनाडा सबूत देता है तो क्या भारत सहयोग करेगा। इसपर उन्होंने कहा, अगर कोई पुख्ता सबूत देता है तो कनाडा ही क्यों एक सरकार के तौर पर कोई भी इस तरह की बात कहता है तो मामले को देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर कनाडा ने ऐसा कोई भी एविडेंस दिया होता तो ऐसा नहीं हो सकता था कि भारत उसपर कार्यवाही ना करे। वहीं रिपोर्टर ने जब उनसे फाइव आइज अलायंस की रिपोर्ट के बारे में सवाल पूछा तो जयशंकर ने साफ तौर पर जवाब देने से मना कर दिया।

कंगाल पाकिस्तान में निवेश नहीं करेगा चीन, सीपीईसी के विस्तार पर रोक

-बीजिंग के सामने पाकिस्तान ने घुटने टेके

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कंगाल हो चुके पाकिस्तान को चीन से बड़ा झटका लगा है। दरअसल चीन ने अपनी खराब आर्थिक स्थिति के बीच चाइना-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर या सीपीईसी के और ज्यादा विस्तार को मंजूरी नहीं दी है। पाकिस्तान चाहता था कि चीन ऊर्जा, जल प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में सीपीईसी के जरिए निवेश करे लेकिन बीजिंग ने ऐसा नहीं किया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक चीन और पाकिस्तान दोनों ही इस समय आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। इसकारण सीपीईसी के और ज्यादा विस्तार पर चीन ने रोक लगा दी है।

वहीं पाकिस्तान ने चीन के आगे घुटने टेककर ग्वादर में कोयला आधारित बिजली संयंत्र लगाने की चीन की योजना का विरोध छोड़ दिया है। यही नहीं चीन की विभिन्न मांगों को भी पाकिस्तान ने अब पूरा करने का वादा किया है। सीपीईसी पर संयुक्त समिति की बैठक में चीन और पाकिस्तान के बीच मतभेद साफ दिखाई दिए। इसकी वजह से आम सहमति बनने में एक साल की देरी हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने पाकिस्?तान के ऊर्जा, जल प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन और टूरिज़्?म के क्षेत्र में पीओके में सीपीईसी का विस्तार करने पर अपनी मंजूरी नहीं दी है। चीन ने पीओके में सीमापार टूरिज्म के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। चीन ने जलवायु परिवर्तन पर भी पाकिस्तान प्रस्ताव को नकार दिया। चीन की बिजली कंपनियों का काफी पैसा पाकिस्तान पर बकाया है जो कंगाली की वजह से चुका नहीं पा रहा है। चीन के दबाव के बाद अब पाकिस्तान ने ग्वादर में 300 मेगावाट के पॉवर प्लांट पर चीन को बड़ी रियायत दे दी है। पाकिस्तान चाहता था कि इस प्रॉजेक्ट को या तब रदद कर दिया जाए या फिर बिजली घर को थार ले जाया जाए ताकि स्थानीय कोयले का इस्तेमाल किया जा सके। चीन इसके लिए तैयार नहीं हुआ और अब ग्वादर प्लांट को विदेश से कोयला मंगाकर चलाया जाएगा। पाकिस्तान को डर है कि दुनिया में कोयले की कीमतें बढ़ रही हैं जिससे यहां से पैदा होने वाली बिजली भविष्य में मंहगी होगी। इसके बाद पाकिस्तान के विदेशी मुद्राभंडार पर दबाव बनेगा। यही नहीं पाकिस्तान के ग्वादर में पर्यावरण पर भी इस प्लांट का असर पड़ेगा। चीन के तैयार नहीं होने की वजह से पाकिस्तान के पास इस मानने के अलावा और कोई चारा नहीं बचा था। पाकिस्तान चाहता था कि चीन उसे मिनरल्स के उत्खनन, विकास और मार्केटिंग में मदद करे लेकिन ड्रैगन ने इस पर चुप्पी साध ली है।

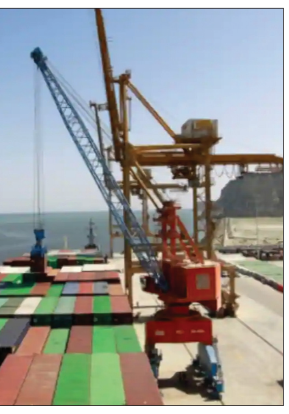

सुप्रीम कोर्ट पहुंची केजरीवाल सरकार, कहा- सिविल कर्मचारी नहीं कर रहे आदेश का पालन, तुरंत हो सुनवाई

नई दिल्ली। आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि शहर में सिविल सेवक सरकार के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं और शीर्ष अदालत से दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित कानून की वैधता को चुनौती देने वाली अपनी याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार और केंद्र से चार सप्ताह में मामले का संकलन तैयार करने को कहा। दिल्ली सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि इस मामले में असाधारण तत्परता है। सिविल सेवक आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। इस पर भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'अगले सप्ताह सात न्यायाधीशों की दो पीठें होंगी और उसके बाद कुछ संविधान पीठें होंगी।' सिंघवी ने जवाब दिया, 'इस मामले को दूसरों पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि इसे किसी न किसी तरह से सीधा करना होगा।' बार और बेंच ने बताया कि इसके बाद, सीजेआई ने दिल्ली सरकार और केंद्र से सभी लिखित प्रस्तुतियाँ पूरी करने और एक सामान्य संकलन बनाने के लिए कहा, 'ताकि मामला सुनवाई के लिए तैयार हो सके'। मानसून सत्र के दौरान, केंद्र और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के बीच तीखी नोकझोंक के बीच, संसद ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी, जिसे दिल्ली सेवा विधेयक भी कहा जाता है।

चारा घोटाले में लालू की सजा बढ़ाने की मांग पर झारखंड हाईकोर्ट में आंशिक सुनवाई, सीबीआई ने मांगी अगली तारीख

रांची। बहुचर्चित चारा घोटाले में देवघर जिला कोषागार से 89.27 लाख रुपये की अवैध निकासी से जुड़े मामले में सजायाफ्ता लालू प्रसाद यादव की सजा अवधि बढ़ाने की सीबीआई की अपील याचिका पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में आंशिक सुनवाई हुई. जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ से सीबीआई ने इस मामले में आगे की तारीख देने की मांग की. इस पर अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख दिसंबर के दूसरे सप्ताह में मुकर्रर की है. सीबीआई ने यह याचिका करीब दस महीने पहले दायर की थी. इसके बाद से इस पर एजेंसी के आग्रह पर सुनवाई की तारीखें पहले भी आगे बढ़ चुकी हैं. सीबीआई की विशेष अदालत ने देवघर कोषागार से धोखाधड़ी के जरिए निकासी से संबंधित मामले (आरसी 64ए) में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को दोषी ठहराते हुए दिसंबर 2017 में साढ़े तीन साल जेल की सजा सुनाई थी. सजा की अवधि का आधा हिस्सा पूरा करने के बाद उन्हें पिछले साल जुलाई में झारखंड हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है. सीबीआई ने इसी मामले को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में कहा है कि लालू यादव सहित अन्य को कम सजा दी गयी है, जबकि लालू इस मामले के षड्यंत्रकर्ताओं में शामिल हैं. इस मामले में निचली अदालत से जगदीश शर्मा को 7 साल की सजा मिली है, इसलिए लालू प्रसाद यादव को भी इतनी ही सजा मिलनी चाहिए. याचिका में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के अलावा महेश कुमार, बेक जूलियस, सुबीर भट्टाचार्य, फूलचंद सिंह और रविंद्र राणा की भी सजा बढ़ाने की मांग की गयी है. इस पर एक हस्तक्षेप याचिका दाखिल कर कोर्ट को बताया गया था कि इनमें से आरके राणा और फूलचंद सिंह की मौत हो चुकी है. इस पर कोर्ट ने याचिका से इनका नाम हटाने का आदेश दिया था.

कुत्ता घुमाने खाली कराया स्टेडियम, आईएएस अधिकारी दुग्गा को अनिवार्य सेवानिवृत्ति

नई दिल्ली। दिल्ली में अपना कुत्ता घुमाने के लिए पूरा स्टेडियम खाली कर देने वाली आईएएस अधिकारी रिंकू दुग्गा को सरकार ने अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया है। सूत्रों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। वह 1994 बैच के AGMUT (अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश) कैडर की अधिकारी है। अधिकारी रिंकू दुग्गा को अरुणाचल प्रदेश में स्वदेशी मामलों के प्रधान सचिव के रूप में तैनात किया गया था। रिंकू के पति संजीव खिरवा भी 1994 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में लद्दाख में तैनात हैं। रिंकू दुग्गा को उनके सेवा रिकॉर्ड के मूल्यांकन के बाद अनिवार्य सेवानिवृत्ति किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि दुग्गा को मौलिक नियम (एफआर) 56 (जे), केंद्रीय सिविल सेवा (सीसीएस) पेंशन नियम, 1972 के नियम 48 के तहत अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया गया है। बता दें कि सरकार को किसी भी सरकारी कर्मचारी को सेवानिवृत्त करने का अधिकार है, 'अगर उनकी राय है कि ऐसा करना सार्वजनिक हित में है।' गौरतलब है कि पिछले साल एक अखबार की रिपोर्ट के बाद रिंकू और संजीव खिरवा को दिल्ली से स्थानांतरित कर दिया गया था। दोनों अधिकारियों पर अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगा था। दरअसल, मामला यह था कि दिल्ली में पोस्टिंग के दौरान आईएएस कपल संजीव खिरवार और उनकी पत्नी रिंकू दुग्गा ने अपने कुत्ते को घुमाने के लिए एथलीटों से स्टेडियम खाली करा दिया था। ये वह अक्सर किया करते थे, जिससे प्रैक्टिस करने वाले एथलीट्स को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

असम-मेघालय अंतरराज्यीय सीमा पर फिर हुई झड़प, कोई हताहत नहीं

शिलांग। असम-मेघालय अंतरराज्यीय सीमा के पास एक विवादित गांव में फिर से झड़प हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि दोनों पक्षों के स्थानीय लोगों ने एक-दूसरे पर तीर-कमान और गुलेल से हमला किया। अधिकारियों के अनुसार, मेघालय के वेस्ट जयंतिया हिल्स जिले और असम के वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले के बीच सीमा पर लापांगप गांव में मंगलवार को हुई इस झड़प में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दोनों राज्यों के पुलिस दलों ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थानीय लोगों से बात कर उन्हें समझाया जिसके बाद स्थिति नियंत्रित हुई। पुलिस ने झड़प वाले स्थान पर ग्रामीणों के जुटने पर रोक लगा दी। ऐसे में शांति तो बनी रही, लेकिन बुधवार को सुबह स्थिति तनावपूर्ण रही। वेस्ट जंयतिया हिल्स जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''हम स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए असम के कार्बी आंगलोंग जिले में अपने समकक्षों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

केंद्र सरकार ने अरुणाचल, नगालैंड के कुछ हिस्सों में अफस्पा की अवधि छह महीने के लिए बढ़ाई

नई दिल्ली । अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के कुछ हिस्सों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) की अवधि मंगलवार को आगामी एक अक्टूबर से अगले छह महीने तक के लिए बढ़ा दी गई। अफस्पा अशांत क्षेत्रों में तैनात सशस्त्र बलों के कर्मियों को कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए आवश्यक समझे जाने पर तलाशी लेने, गिरफ्तार करने और गोली चलाने की व्यापक शक्तियां प्रदान करता है। अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के कुछ जिलों और थाना क्षेत्रों में अफस्पा कई वर्षों से लागू है एवं समय-समय पर इसकी अवधि बढ़ाई जाती है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि केंद्र सरकार ने सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 (1958 का 28) की धारा-3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए 24 मार्च, 2023 को जारी एक अधिसूचना के माध्यम से अरुणाचल प्रदेश के तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों तथा असम राज्य की सीमा से लगे अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले के नामसाई, महादेवपुर और चौखम पुलिस थाना क्षेत्रों को अशांत क्षेत्र के रूप में घोषित किया था। मंत्रालय के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति की फिर से समीक्षा की गई है। उसने कहा, इसलिए अब अरुणाचल प्रदेश के तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों तथा असम की सीमा से लगे अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले के नामसाई, महादेवपुर और चौखम पुलिस थाना क्षेत्रों को सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 की एक अक्टूबर 2023 से अगले छह महीने के लिए, या आदेश जब तक वापस नहीं लिया जाता, तब तक अशांत क्षेत्र घोषित किया जाता है। एक अलग अधिसूचना में गृह मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार ने 24 मार्च 2023 को एक अधिसूचना के माध्यम से नगालैंड के आठ जिलों और पांच अन्य जिलों के 21 थाना क्षेत्रों को एक अप्रैल 2023 से छह महीने की अवधि के लिए अशांत क्षेत्र घोषित किया था। मंत्रालय के अनुसार, नगालैंड में कानून-व्यवस्था की स्थिति की फिर से समीक्षा की गई।

मणिपुर में हिंसा पर लगाम लगाने में असफल रहे सीएम, केंद्र तत्काल हटाएं : खड़गे

-दो छात्रों की हत्या पर मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह स्पष्ट है कि मणिपुर में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को हथियार बनाया गया है। उन्होंने पिछले 147 दिन से हिंसा प्रभावित राज्य का दौरा नहीं करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला किया। खड़गे ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को तत्काल हटाने की भी मांग की। खड़गे ने कहा, 147 दिन से मणिपुर के लोग पीड़ित हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के पास राज्य का दौरा करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा, इस हिंसा में छात्रों को निशाना बनाए जाने की भयावह तस्वीरों ने फिर पूरे देश को झकझोर दिया है। अब यह स्पष्ट है कि इस संघर्ष में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को हथियार बनाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि खूबसूरत राज्य मणिपुर को भाजपा के कारण युद्धक्षेत्र में बदल दिया गया है।

खड़गे ने कहा, अब समय आ चुकी है, कि प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के अक्षम मुख्यमंत्री को बर्खास्त करें। आगे की किसी भी उथल-पुथल को नियंत्रित करने के लिए यह पहला कदम होगा। उनकी यह टिप्पणी मंगलवार को दो युवा छात्रों की हत्या की खबर सामने आने के बाद आई है। मणिपुर सरकार ने कहा कि उसने दो युवा छात्रों की हत्या का मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया है। सुरक्षा बलों ने भी अपराधियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार के संज्ञान में आया है कि पीड़ितों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिनकी पहचान फिजाम हेमजीत (20) और हिजाम लिनथोइंगंबी (17) के रूप में हुई है। दोनों जुलाई से लापता थे। दो छात्रों की हत्या के बाद पूर्वोत्तर राज्य में छात्रों ने बड़े पैमाने पर आंदोलन किया। राज्य सरकार ने भी इंटरनेट सेवाएं बहाल करने के महज चार दिन बाद मंगलवार से एक अक्टूबर तक पांच दिनों के लिए फिर निलंबित कर दीं। छात्रों की हत्या की जांच में तेजी लाने के लिए निदेशक प्रवीण सूद के नेतृत्व में एक विशेष सीबीआई टीम बुधवार को एक विशेष उड़ान से इंफाल पहुंचेगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जून में हिंसा प्रभावित राज्य का दौरा किया था, जबकि जुलाई में विपक्षी सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल भी पूर्वोत्तर राज्य गया था। कांग्रेस ने जातीय हिंसा की निंदा करते हुये मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को तत्काल हटाने की मांग की थी, और राज्य का दौरा नहीं करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना भी की थी।

बिहार में लोजपा के नेता की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, लोगों ने सड़क की जाम

गया। गया में राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिनदहाड़े शातिर बदमाशों ने लोजपा नेता अनवर खान की की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी है। बदमाशों ने जिले के अंतर्गत आमस थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव के समीप इस घटना को अंजाम दिया है। शातिर बदमाशों ने लोजपा नेता के शरीर पर कुल छह गोलियां दागी है, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। अनवर अली खान अपने छोट बच्चे के बाल बनवाने और अपनी दाढ़ी बनवाने के लिए एक सैलून गए थे। उनके बच्चे के बाल बनाए जा रहे थे। इसी बीच एक बाइक पर सवार तीन बदमाश आए और आने के बाद सैलून संचालक का नाम लेते हुए पहले अपनी दाढ़ी बनवाने का आदेश दिया। बताया जा रहा है कि बदमाशों की इस एक्टिविटी के बाद अनवर अली खान को कुछ शंका हुई। उसके बाद उन्होंने सैलून संचालक को कहा कि आप मेरे बच्चे के बाल बना दे, उसके बाद हम इसे पहुंचा कर आते हैं। फिर हम अपनी दाढ़ी बनवाएंगे। इतना बोलकर वह सैलून से नीचे उतरे। इतने में हथियारबंद बदमाशों ने अनवर अली पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाना शुरु कर दिया। गोली लगने के बाद जब अनवर अली खान भागने लगे, तब उन्हें खदेड़ कर गोली मारी गई, जिसके बाद घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधियों ने घटनास्थल पर कट्टा भी छोड़ दिया है। वहीं, जिस बाईक से अपराधी आए थे, उसे भी छोड़ दिया। अपराधियों ने रोड पार कर रहे एक बाईक सवार के सिर पर पिस्टल सटाकर उसकी बाइक छीन ली। इसके बाद वे फरार हो गए।

बिहार में सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन में फंसा पेंच, क्या कुछ सीटों की कुर्बानी देंगे नीतीश?

पटना (एजेंसी)। साल 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी दलों के गठबंधन में सीटों के बँटवारे पर चर्चा शुरू हो चुकी है. लोकसभा चुनाव 2024 की जैसे जैसे सरगर्मी तेज हो रही है वैसे वैसे सीट शेयरिंग को लेकर इंडिया गठबंधन में आवाज तेज होने लगी है. विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के बीच तरकश में तीर सजाए जाने लगे हैं. बिहार में विपक्ष को साझेदारी के लिए सीटों का बँटवारा करना होगा, यहां राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल यूनाइटेड, कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों की महागठंबंधन की सरकार पिछले एक साल से सत्ता में है. इंडिया गठबंधन के बनने में सबसे ज्यादा मेहनत नीतीश कुमार ने किया है. जिस राज्य में जितने ज्यादा दल होंगे सीट शेयरिंग में कठिनाई होगी. सीट शेयरिंग को लेकर लालू नीतीश में सहमति नहीं बन पा रही है. बता दें बिहार में लोकसभा की 40 सीचे हैं, जिनमें अभी 16 सीटों का प्रतिनिधित्व अकेले जदयू करता है. बिहार में सीटों के बँटवारे का काम बेहद जटिल साबित हो सकता है. बिहार में कांग्रेस ने पहले ही 10 सीट पर चुनाव लड़ने का राग आलाप चुकी है. बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद अखिलेश सिंह ने कहा था कि कांग्रेस की अपेक्षा यही होगी कि जहाँ हमारा मज़बूत जनाधार है, जहाँ से बड़े नेता चुनाव लड़ते रहे हैं, वो सारी सीटें नीतीश और लालू कांग्रेस के लिए छोड़ें. कांग्रेस इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है और हमें उचित जगह मिलनी चाहिए.

वहीं सीटों के शेयरिंग को लेकर सीपीआईएमएल का कहना है कि सीटों का बँटवारा बँटवारा साल 2020 के विधानसभा चुनावों के प्रदर्शन के आधार पर होना चाहिए. सीपीआईएमएल ने सीटों के बँटवारे को लेकर अपना प्रस्ताव राजद के पास भेज दिया है. जेडीयू का कहना है कि इंडिया गठबंधन की लड़ाई भाजपा से है. इसलिए सीटों के बंटवारे में कोई परेशानी नहीं होगी और सीटों के बँटवारे में कोई परेशानी नहीं होगी. इंडिया' गठबंधन के नेता सक्षम हैं. सीटों के बँटवारे के मामले में बिहार रोल मॉडल बनेगा.

बता दें साल 2019 के लोकसभा चुनावों में किशनगंज की मात्र एक सीट पर कांग्रेस का झंडा लहराया था. जबकि भाजपा ने 17 सीटों पर अपना परचम लहराया था तो वहीं उस समय की साझेदार जदयू ने 16 सीट अपने कब्जे में किया था तो एलजेपी ने 6 सीटों पर कब्जा जमाया था.

राजद, जदयू और वामपंथी दलों के लिए सीटों के बँटवारे को अपने स्तर पर अंतिम रूप देना आसान नहीं दिखता है. कारण सीतामढ़ी, मधेपुरा, गोपालगंज, सिवान, भागलपुर और बांका लोकसभा सीटों का है, जहां साल 2019 में जेडीयू की जीत हुई थी, जबकि राजद दूसरे नंबर पर थी. दूसरी तरफ पटना साहिब और बेगूसराय जैसी लोकसभा सीटें भी हैं, जिसपर भाजपा ने कब्जा किया था. कोसी-सीमांचल की सुपौल लोकसभा सीट पर साल 2019 में जेडीयू ने 56त्न वोट के साथ जीत दर्ज की थी. कांग्रेस की रंजीता रंजन ने क़रीब 30त्न वोट हासिल किए थे. रंजीत रंजन इलाक़े की बड़ी नेताओं में मानी जाती हैं. रंजीता रंजन कांग्रेस की राज्यसभा सांसद हैं और पहले लोकसभा सांसद रह चुकी हैं. ऐसे में साझेदारी के तहत सुपौल सीट पर किस पार्टी को चुनाव लड़ने का मौक़ा मिलेगा. इंडिया गठबंधन की मुंबई में हुई विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक के बाद लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि अपना कुछ नुक़सान करके भी वो इंडिया को जिताएंगे.

नीतीश की कोशिश रंग लाई और इंडिया महागठबंधन बन गया तो हो सकता है नीतीश कुमार कुमार अपने कुछ सीटों की कुर्बानी दे दें . अगर वो अपनी सीटिंग सीट छोड़ते हैं तो इस पर भी राजनीति विरोध होगा इससे इंकार नहीं किया जा सकता.

खालिस्तानी आतंकियों पर एनआईए ने की तगड़ी छापामार कार्रवाई

-दिल्ली-यूपी सहित 6 राज्यों में 50 ठिकानों पर चल रही है छानबीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जांच एजेंसी एनआईए द्वारा खालिस्तानी संगठनों और उनसे जुड़े आतंकियों पर नकेल कसने के लिए तगड़ी कार्रवाई शुरु कर दी है। इसी क्रम में दिल्ली-यूपी सहित 6 राज्यों में 50 ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसियां विदेश के साथ-साथ देश में भी लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहीं हैं। एनआईए के सूत्रों के मुताबिक राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली के करीब 50 जगहों पर ये छापेमारी चल रही है। जिसमें खालिस्तानी चरमपंथियों से जुड़े गैंगस्टर्स के हवाला ऑपरेटर्स और लॉजिस्टिक कॉर्डिनेटर की धरपकड़ के लिए पंजाब में 30, राजस्थान में 13, हरियाणा में 4, उत्तराखंड में 2 और दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश में एक-एक ठिकाने पर छापेमारी की गई है। एनआईए ने खालिस्तान-आईएसआई और गैंगस्टर नेक्सस पर कई इनपुट्स इक्ठा किए हैं। अब तक जितने भी गैंगस्टर और खालिस्तानी आतंकियों को यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया गया है, उनसे पूछताछ में पता चला कि इस गैंगस्टर-खालिस्तानी नेक्सस का इस्तेमाल टेरर फंडिग, हथियार सप्लाई के साथ-साथ विदेशी धरती से देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि एनआईए ने अब विदेशी धरती से चल रहे खालिस्तानी और गैंगस्टर के समर्थकों पर बड़ा प्रहार करना शुरू कर दिया है। हाल ही में कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो द्वारा अपनी संसद में खालिस्तान टाइगर फोर्स के प्रमुख हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत पर आरोप लगाने के बाद से खालिस्तान का मुद्दा गरमाया हुआ है। बता दें कि कनाडा में सक्रिय खालिस्तान समर्थकों को बेनकाब करने के साथ-साथ उनके नेटवर्क को खंगालने में एजेंसियां जुटी हुई हैं। साथ ही उनके फंडिंग सोर्स पर भी लगाम लगाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए फाइनेंसियल इंटेलिजेंस यूनिट, आईबी सहित कई एजेंसियां एक्टिव हो गई हैं।

अंदेशा जताया जा रहा है कि खालिस्तान गैंगस्टर गठजोड़ भारत के लिए खतरनाक होता जा रहा है। इसमें ड्रग्स और हथियार की तस्करी, वसूली, हत्या जैसे अपराध से आ रहे पैसों का इस्तेमाल भारत विरोधी हरकतों में किया जा रहा है। खालिस्तानियों को फंडिंग दिलाने के मामले में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की सबसे बड़ी भूमिका मानी जा रही है। कई मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि एनआईए की चार्जशीट में इस बात का भी खुलासा हो चुका है कि खालिस्तान समर्थक आतंकवादियों को हथियारों और ड्रग्स की तस्करी से मिले पैसों से फंडिंग की जा रही है।

मेनका गांधी के आरोपों पर इस्कॉन का पलटवार, सनातन धर्म पर आक्रमण करना फैशन बन गया

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद मेनका गांधी का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने कहा है कि इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) देश में सबसे बड़ा धोखेबाज है और यह अपनी गौशालाओं से गायों को कसाईयों को बेचता है। इंटरनेट पर व्यापक रूप से साझा किए गए वीडियो में,

पूर्व केंद्रीय मंत्री और एक पशु अधिकार कार्यकर्ता को यह कहते हुए सुना जाता है, 'इस्कॉन गौशालाएं स्थापित करता है और इसके लिए सरकार से विशाल भूमि के रूप में असीमित लाभ कमाता है।' धार्मिक संगठन पर तीखा हमला बोलते हुए मेनका गांधी ने कहा, मैंने हाल ही में (आंध्र प्रदेश में) उनकी अनंतपुर गौशाला का दौरा किया और वहां एक भी गाय अच्छी हालत में नहीं मिली। मेनका गांधी ने आरोप लगाया, गौशाला में कोई बछड़ा नहीं था, इसका मतलब है कि सभी को बेच दिया गया। मेनका गांधी ने कहा, 'इस्कॉन अपनी सारी गायें कसाइयों को बेच रही है और उनसे ज्यादा कोई ऐसा नहीं करता है। ये वही लोग हैं जो सड़क पर 'हरे राम हरे कृष्णा' का जाप करते हुए घूमते हैं और कहते हैं कि उनका पूरा जीवन दूध पर निर्भर है।'

देश के संविधान को नहीं मानती भाजपा, जम्मू-कश्मीर से हुई शुरूआत: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ती है। उन्होंने जम्मू कश्मीर के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने का भाजपा आरोप लगाया। इसके साथ ही ताजा हमला करते हुए उन्होंने साफ तौर पर कह दिया कि भाजपा देश के संविधान को नहीं मानती और इसे खत्म करने की शुरुआत जम्मू कश्मीर से हुई है। महबूबा मुफ्ती ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अपने 'करीबी पूंजीपतियों' को फायदा पहुंचाने के लिए जम्मू-कश्मीर के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने का आरोप लगाया है। महबूबा मुफ्ती मीडिया में आई उन खबरों को लेकर प्रतिक्रिया दे रही थीं जिनमें दावा किया गया है कि जम्मू क्षेत्र में पाए गए लिथियम के भंडार की जल्द ही नीलामी की जाएगी।

पीडीपी अध्यक्ष ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, ''जम्मू-कश्मीर के जल संसाधनों और खनिजों को अपने कब्जे में लेने के बाद, भारत सरकार ने जम्मू के लिथियम भंडार पर अपनी नजरें गड़ा दी हैं। राज्य द्वारा उत्पादित बिजली दूसरों को (मुफ्त में भी) आपूर्ति की जाती है जबकि हम खुद अंधेरे में रहते हैं। अब इन लिथियम भंडारों का दोहन किया जाएगा और इसे भाजपा के करीबी पूंजीपतियों को उपहार में दिया जाएगा। इससे जम्मू-कश्मीर को क्या मिलगा इसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए।'' वहीं, महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पहले यह दुनिया को एक ड्रामा करके दिखाते थे कि हमने यहां पंचायत चुनाव कराया लेकिन अब उन्होंने वह तमाशा करना भी बंद कर दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एक ओर बीजेपी वाले जब सुप्रीम कोर्ट में कहते हैं कि जम्मू कश्मीर से 370 हटाने के बाद हालात अच्छे हो गए हैं दूसरी ओर यही सरकार यह भी दावा कर रही है कि जम्मू कश्मीर में सुरक्षा के हालात ठीक नहीं है और इसलिए हम चुनाव नहीं करा सकते। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जम्मू कश्मीर में जितने भी एक्सपेरिमेंट किए हुए सभी फेल हो चुके हैं। यही कारण है कि वह हताश हैं।

गिले-शिकवे भुलाकर एक मंच पर दिखे येदियुरप्पा और कुमारस्वामी, निशाने पर कांग्रेस

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन करने के कुछ दिनों बाद, जनता दल (सेक्युलर) नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के साथ मंच साझा किया और कावेरी जल छोड़े जाने को लेकर भाजपा के धरने में शामिल हुए। कावेरी जल मुद्दे पर बोलते हुए, कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने में विफल रही है। वे अब राज्य के किसानों के जीवन के साथ खेल रहे हैं। यही कारण है कि जद (एस) और भाजपा दोनों विरोध कर रहे हैं। यह एक बड़ा संयोग ही है कि कुमारस्वामी और बीएस येदियुरप्पा एक मंच पर दिखाई दे रहे हैं। इसका कारण भाजपा के साथ जेडीएस का गठबंधन भी है।

दोनों ही दलों के गठबंधन को देखें तो यह पहली बार 2006 में हुआ था। 2004 के चुनाव में किसी को बहुमत नहीं मिली। जेडीएस और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाई। 2006 में जेडीएस ने गठबंधन तोड़ लिया था और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बना ली। उस वक्त कुमारस्वामी मुख्यमंत्री बने। लेकिन वादे के मुताबिक भाजपा को डेढ़ साल बाद मुख्यमंत्री पद देने से मुकर गए। उस समय मुख्यमंत्री बनने की बारी येदियुरप्पा थी। इसके बाद कर्नाटक में फिर से चुनाव कराने पड़े। वहीं, 2018 की बात करें तो कहीं ना कहीं भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनाकर जरूर उभरी थी। लेकिन सरकार बनाने से पीछे रह गई। उस वक्त भी येदियुरप्पा मुख्यमंत्री बन गए। लेकिन जेडीएस ने उनका समर्थन नहीं किया और सरकार गिर गई।

जद (एस) ने 2024 के लोकसभा चुनाव में कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी से मुकाबला करने के लिए 22 सितंबर को भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए से हाथ मिलाया था। जद (एस) नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद गठबंधन की घोषणा की। हालांकि, इसकी आलोचना भी हो रही है। इसी के बाद पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन करने का निर्णय उनकी पार्टी के सहयोगियों के साथ परामर्श के बाद लिया गया है। देवेगौड़ा ने कहा, ÷बीजेपी के साथ गठबंधन करने से पहले, मैंने हमारे 19 विधायकों और 8 एमएलसी की राय ली, जिन्होंने कहा कि जेडीएस को बीजेपी के

साथ समझौता करने पर विचार करना चाहिए।' एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जद (एस) प्रमुख ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नहीं मिले हैं और वह पिछले 10 वर्षों में पहली बार गृह मंत्री अमित शाह से मिले हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की बैठक में हंगामा

सूरत निगम की नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की साधारण सभा में जबरदस्त हंगामा

लिखित-मौखिक सूचना के बाद भी आरटीआई के बावजूद हिसाब नहीं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत निगम की नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की साधारण सभा में आज जबरदस्त हंगामा हुआ। आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने स्कूलों के विकास के लिए अनुदान देकर एक अनोखा प्रयोग शुरू किया, लेकिन आम आदमी पार्टी ने अनुदान का हिसाब मांगना शुरू कर दिया क्योंकि भाजपा शासकों को अनुदान में भ्रष्टाचार का संदेह था। जबकि आम आदमी पार्टी के 14 नगरसेवकों ने स्कूल के विकास के लिए अब तक लगभग 3 करोड़ रुपये का अनुदान आवंटित किया है, लेकिन भाजपा शासकों ने तीन महीने की मौखिक-लिखित दलीलों के बावजूद इसका हिसाब नहीं दिया है। इस पूरे मामले में राकेश हिरपारा को आरटीआई का सहारा लेना पड़ा, बावजूद इसके कि वे निर्वाचित प्रतिनिधि हैं और अभी तक अनुदान का हिसाब भाजपा के हुक्मरानों ने नहीं दिया है, ऐसा आरोप विपक्ष ने लगाया है.

नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के अध्यक्ष धनेश साह ने कहा कि नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की बैठक चल रही थी. इस बीच आज आप के पार्षद मौजूद थे, लेकिन चल रही सामान्य बैठक में उन्होंने अवैध तरीके से कुछ लोगों के साथ मारपीट कर माहौल खराब कर दिया, जो ठीक बात नहीं है. सामान्य बैठक में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्यवधान उत्पन्न नहीं किया जायेगा।

विपक्षी नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के प्रतिपक्ष सदस्य राकेश हिरपारा ने कहा कि पार्षदों ने अपने अनुदान से शिक्षा समिति को तीन करोड़ रुपये की राशि दी है. जाहिर सी बात है कि जब पार्षद ने अपनी अनुदान राशि शिक्षा के विकास और बच्चों की पढ़ाई को सुगम बनाने के लिए दी है तो उसे इसका हिसाब भी देना चाहिए कि इसे कहां और कैसे खर्च किया गया. मौखिक हिसाब मांगने पर भी नहीं दिया जाता, फिर लिखित हिसाब भी मांगा जाता है, लेकिन नहीं दिया जाता. पिछली आरटीआई में भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया है. समझ में नहीं आता कि हुक्मरान एक-एक रुपये का हिसाब देने से क्यों डरते हैं? जिन्होंने भ्रष्टाचार नहीं किया और बच्चों की शिक्षा पर पैसे का सही इस्तेमाल किया, उन्हें हिसाब देना चाहिए.

अनुदान खर्च का हिसाब मांगने वाला प्रत्यावेदन

10 अप्रैल : आधिकारिक लेटर हेड पर राज्यपाल, समिति अध्यक्ष व उपायुक्त को लिखित में जानकारी मांगी गयी.

21 जून: सभी पार्षदों का एक प्रतिनिधिमंडल समिति अध्यक्ष से व्यक्तिगत रूप से मिला और एक बार फिर लिखित में जानकारी मांगी.

30 जून: आधिकारिक लेटरहेड पर आरटीआई के माध्यम से जानकारी मांगी गई।

24 अगस्त: आरटीआई के तहत प्रथम अपील याचिका दायर की गई.

सूरत क्राइम ब्रांच पुलिस

एटीएम मशीनों से धोखाधड़ी कर नकदी चुराने वाले यूपी के कुख्यात गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एटीएम मशीन को तोड़ने के बाद उससे छेड़छाड़ कर अनोखे तरीके से बैंक ग्राहकों से पैसे चुराने वाले एक गिरोह को गिरफ्तार किया गया है. ये यूपी के मोहमंदपुर चारपुर गांव के एक कुख्यात गिरोह के तीन सदस्य हैं जो एटीएम मशीनों को धोखा देते हैं और ग्राहकों द्वारा निकाले गए पैसे चुरा लेते हैं। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली है. गिरोह ने सूरत के विभिन्न इलाकों में सात और ग्रामीण इलाकों में एक एटीएम मशीन चोरी करने की बात कबूल की है। अब इन दोनों की गिरफ्तारी के बाद रांदेर और अडाजण पुलिस के बीच मतभेद दूर हो गए हैं. बैंक जांच करने पहुंचे और पिछले कुछ समय से अडाजण, रांदेर, सरथाणा इलाके में स्थित एटीएम में भगदड़ मच गई । ग्राहकों ने बैंक से शिकायत की कि मशीन से पैसे नहीं निकल रहे हैं. बैंक इस बात की जांच करने आया था कि मशीन से पैसे निकलने के बावजूद ग्राहकों को पैसे क्यों नहीं मिले. इस बीच पता चला कि बैंक एटीएम की मशीन के साथ कुछ आईएसएमओ ने छेड़छाड़ की है. जब सीसीटीवी चेक किया गया तो पता चला कि तीन लोग संदिग्ध तरीके से मशीन में घुसे और मशीन से छेड़छाड़ की. इस गैंग की कई शिकायतें बैंक ने पुलिस बुक में दर्ज कराईं.

क्राइम ब्रांच पुलिस ने सूचना के आधार पर एटीएम मशीन चोरी करने के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच पुलिस ने गोडादरा मंगलबावन सोसायटी, रामजी मंदिर से अखिलेश लालजी पटेल, (2) नीरज श्रीनाथ पटेल, (3) पंकज मोहनलाल दुबे को गिरफ्तार किया। पुलिस की जांच और पूछताछ के दौरान पता चला कि वे उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के मोहमंदपुरा चारपुरा गांव में एटीएम से चोरी करने वाले एक कुख्यात गिरोह के सदस्य थे।

पुलिस ने मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल आरोपियों से गहनता से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि तीनों आरोपी एनसीआर कंपनी की एटीएम मशीन को ही निशाना बना रहे थे. एनसीआर कंपनी के एटीएम मशीन में यह गिरोह एटीएम मशीन के कैश शटर में लोहे की चिप फंसा देता था. इसके बाद एक ग्राहक बैंक के एटीएम पर आया और पैसे निकालते समय पैसे दराज में फंस रहे थे. ये रुपये ग्राहक के एटीएम से नहीं निकल रहे थे. ताकि ग्राहक के एटीएम सेंटर से चले जाने के बाद आरोपी एटीएम मशीन के केस शटर में लगी लोहे की चिप निकाल लेते थे और उन्हें चलते हुए पकड़ लेते थे.

पुलिस की जांच में पता चला कि उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के मोहमंदपुरा चारपुरा गांव में इस तरह जाल में फंसाकर चिप्स चुराने के लिए एक गिरोह बनाया गया था. हालाँकि, इस गाँव के कुछ युवाओं ने पहले एन.सी.आर. कंपनी का ए.टी.एम मशीन में काम करते थे और दूसरों को उसमें फंसी चिप निकालने का गुर सिखाते थे। जिसके चलते गांव में कई गिरोह काम कर रहे थे।

हालांकि, अब सूरत क्राइम ब्रांच पुलिस ने एटीएम चोरी करने वाले गिरोह के ३ आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से बैंक के एटीएम मशीन के कैश शटर से छेड़छाड़ करने के लिए बनाई गई लोहे की चिप और दो स्क्रू ड्राइवर जब्त किए हैं। रांदेर व अडाजण थाने के 7 से अधिक एटीएम से चोरी के प्रयास के मामले सुलझ गए हैं।

विश्व पर्यटन दिवस

सूरत और तापी जिलों में इको टूरिज्म से वन विभाग को होती है लाखों रुपये की कमाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। वन खाते सूरत और तापी जिलों में इको-टूरिज्म के माध्यम से न केवल लाखों कमाते हैं, बल्कि क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी लोगों को रोजगार भी प्रदान करते हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई परियोजनाएं भी शुरूकी गई हैं। सूरत और तापी जिलों में अलग-अलग पर्यटन स्थल हैं। सूरत की बात करें तो सूरत में 3 इको टूरिज्म साइट केवाड़ी, देवघाट और बनवा डूंगर हैं। अगर हम बात करें तो इनकी मासिक आय 3 लाख से ऊपर है और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए यहां नवीन गतिविधियां भी की जाती हैं। सूरत जिले के डीसीएफ आनंद कुमार ने कहा कि फिलहाल हम आने वाले पर्यटकों के साथ-साथ 60 से अधिक आदिवासी लोगों को रोजगार दे रहे हैं। यहाँ। हम अच्छा सात्विक भोजन उपलब्ध कराने के लिए नाहरी भोखोलया भी चलाते हैं। हम हर साल ट्रैकिंग करते हैं लेकिन अब हमने यहां नियमित ट्रैकिंग भी शुरूकर दी है यानी जो पर्यटक यहां ओ पर्यटन यात्रा के लिए आते हैं।

दूसरी ओर, तापी जिले में पर्यटन के लिए पद्मडुंगरी अंबा पानी, गोमुख और अन्य छोटे-बड़े झरने सहित कई स्थान हैं। जिनकी आय सालाना 15 लाख से अधिक है। तापी जिले के डीसीएफ पुनित नायर ने कहा कि तापी जिले के विभिन्न पर्यटन में हम लोगों को प्रकृति से जोड़ने और प्रकृति के लिए कुछ करने का प्रयास कर रहे हैं, खासकर जब पदम प्याज की बात आती है तो हमने वहां प्रकृति शिक्षा शुरू की है जहां स्कूलों और कॉलेजों में बच्चों के लिए शिविर आयोजित किए जाते हैं और उन्हें प्रकृति और जैव विविधता के बारे में ज्ञान दिया जाता है। इसके साथ ही वहां एक वैदिक रेस्टोरेंट भी शुरू किया गया है. पर्यटन और आजीविका को मिलाकर एक नया उद्यम शुरूकिया गया है, जहां आदिवासी महिलाएं पानी, साबुन और विभिन्न आयुर्वेदिक उत्पाद बनाती हैं और उन्हें यहां बेचती हैं।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे